website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 65 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 14 फरवरी 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

किताब विवाद पर सियासी संग्राम: गिरिराज सिंह का राहुल गांधी पर 'भ्रम फैलाने' का आरोप

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान पूर्व थल सेनाध्यक्ष जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की पुस्तक "फोर स्टार्स ऑफ डेस्टिनी" को लेकर राजनीतिक विवाद तेज हो गया है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल

गांधी इस पुस्तक का उल्लेख करना चाहते थे, लेकिन रक्षा मंत्री ने नियमों का हवाला देते हुए इसकी अनुमति नहीं दी। इसके बाद सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने राहुल गांधी पर देश में भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी किसानों और अंतरराष्ट्रीय समझौतों जैसे मुद्दों पर भी तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहे हैं। उनके मुताबिक सरकार पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि किसानों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा, लेकिन विपक्ष जानबूझकर संशय और तनाव का माहौल बना रहा है। भाजपा सांसद संजय जायसवाल ने भी राहुल गांधी को घेरते हुए कहा कि उन्होंने सदन में जो आरोप लगाए, उन्हें प्रमाणित नहीं कर सके। उन्होंने कहा कि या तो वे अपने आरोप साबित करें या देश से माफी मांगें। साथ ही उन्होंने बजट चर्चा के दौरान इंडिया–यूएस एग्रीमेंट के मुद्दे पर भी राहुल गांधी पर भ्रामक प्रस्तुति का आरोप लगाया। वहीं भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने विपक्ष पर बिना ठोस मुद्दों के हंगामा करने का आरोप लगाया और कहा कि एनडीए सरकार ने विकास और प्रशासनिक पारदर्शिता पर लगातार काम किया है। सांसद कमलजीत सहरावत ने भी कहा कि विपक्ष हर सत्र में नए आरोप लगाकर सदन की कार्यवाही बाधित करने की कोशिश करता है। विवाद के बीच यह मुद्दा अब व्यापक सियासी बहस का रूप ले चुका है।

अंबानी को US ने दी खुशखबरी, वेनेजुएला के कच्चे तेल की सीधी खरीद का मिला लाइसेंस

नई दिल्ली (एजेंसी)। उद्योगपति मुकेश अंबानी के नेतृत्व वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड को वेनेजुएला से कच्चा तेल सीधे खरीदने के लिए अमेरिका की ओर से लाइसेंस प्रदान किया गया है। इस नई अनुमति के बाद देश की सबसे बड़ी निजी रिफाइनिंग कंपनी अब वेनेजुएला से रियायती कीमत पर मिलने वाले भारी ग्रेड के कच्चे तेल का आयात कर सकेगी। जानकारी के अनुसार वेनेजुएला का हेवी क्रूड गुजरात के जामनगर स्थित रिलायंस रिफाइनरी की तकनीकी संरचना के लिए उपयुक्त माना जाता है और इससे कंपनी के रिफाइनिंग मार्जिन में सुधार संभव है। फिलहाल इस लाइसेंस को लेकर कंपनी की तरफ से आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

अमेरिका ने दी थी अनुमति

समाचार एजेंसी पीटीआई के सूत्रों के अनुसार जनवरी के आखिर में संयुक्त राज्य अमेरिका ने कुछ वैश्विक कंपनियों को वेनेजुएला से सीधे कच्चा तेल खरीदने की सामान्य अनुमति दी थी। इससे पहले अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वेनेजुएला से सीधे आयात पर रोक थी और कंपनियां बिचौलियों के जरिये तेल मंगवा रही थीं। पिछले महीने अमेरिकी कार्रवाई के बाद वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हिरासत में लिए जाने की खबरों के बीच सीधी खरीद शुरू होने की संभावनाएं तेज हुई थीं। इसके बाद अमेरिका ने अपने कुछ प्रतिबंधों में ढील भी दी, जिससे तेल कारोबार के रास्ते खुले।

पहले से खरीदार रही है कंपनी

जामनगर में दुनिया के सबसे बड़े रिफाइनिंग कॉम्प्लेक्स का संचालन करने वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले भी वेनेजुएला के कच्चे तेल की प्रमुख खरीदार रह चुकी है। लेकिन वर्ष 2019-20 में मादुरो सरकार पर अमेरिकी प्रतिबंध लागू होने के बाद यह आयात बंद हो गया था। बाद में 2024 में मिली अस्थायी राहत के दौरान कंपनी ने सीमित मात्रा में तेल खरीदा था। इस वर्ष फिर से ट्रेडर्स के माध्यम से आपूर्ति शुरू होने पर रिलायंस ने ट्रेडिंग फर्म Vitol से करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल लिया। इसी तरह इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड जैसी सरकारी कंपनियों ने भी इस छूट का लाभ उठाते हुए वेनेजुएला से कुल मिलाकर लगभग 20 लाख बैरल तेल खरीदा है।

पिछले हफ्ते ट्रंप ने क्या कहा था?

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बयान दिया था कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूस से तेल खरीद में कमी लाने और अमेरिका समेत अन्य देशों से आयात बढ़ाने पर सहमति जताई है। सूत्रों का कहना है कि वेनेजुएला के ऊर्जा संसाधनों का उपयोग करना भारत की उस रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत कच्चे तेल के आयात स्रोतों में विविधता लाई जा रही है। रूस से सप्लाई घटने की आशंका के बीच वेनेजुएला का हेवी क्रूड भारत के लिए अहम विकल्प बन सकता है। वेनेजुएला का ओरिनोको बेल्ट क्षेत्र भारी और अति-भारी ग्रेड के कच्चे तेल के लिए प्रसिद्ध है, और इस तरह के तेल को प्रोसेस करने की क्षमता जामनगर रिफाइनरी में पहले से मौजूद है।

सुरक्षा चूक पर एयर इंडिया पर 1 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने Air India पर 1 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। जांच में पाया गया कि एयरलाइन के Airbus A320 विमान ने जरूरी एयरवर्दीनिस रिव्यू सर्टिफिकेट (ARC) के बिना आठ उड़ानें भरीं। यह घटनाएं 24–25 नवंबर के बीच की हैं और कई शहरों के सेक्टर शामिल थे। DGCA ने इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए शीर्ष प्रबंधन की जिम्मेदारी तय की। एयर इंडिया ने कहा कि घटना की स्वेच्छा से रिपोर्टिंग की गई और सभी कमियां अब दूर कर दी गई हैं।

असम में सड़क-पुल परियोजनाओं को 747 करोड़ की मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए केंद्र सरकार ने 747.72 करोड़ रुपये की सड़क और पुल परियोजनाओं को मंजूरी दी है। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बताया कि यह स्वीकृति केंद्रीय सड़क अवसंरचना निधि (CRIF) के तहत दी गई

है। मंत्री के अनुसार 10 सड़क विकास परियोजनाओं के लिए 617.98 करोड़ रुपये और 'सीआरआईएफ सेतु बंधन' योजना के तहत 16 पुल परियोजनाओं के लिए 129.74 करोड़ रुपये मंजूर किए गए हैं। इन परियोजनाओं से कनेक्टिविटी बेहतर होगी, परिवहन क्षमता बढ़ेगी और यात्रा समय घटेगा। साथ ही स्थानीय व्यापार, माल ढुलाई और लोगों की आवाजाही को भी गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि बेहतर सड़क नेटवर्क से राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी असम में 6,950 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली काजीरंगा एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजना का भूमि पूजन किया था, जो असम में क्षेत्रीय संपर्क और सड़क सुरक्षा सुधारने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सरकार का कहना है कि नई परियोजनाएं विकास और सुगम यातायात की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगी।

लोकसभा में जोरदार हंगामा, कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित

नई दिल्ली। नई दिल्ली में लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को लगातार हंगामे के कारण 9 मार्च तक के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की शुरुआत से ही विपक्षी दलों के शोर-शराबे के चलते कामकाज सुचारू रूप से नहीं चल पाया। कार्यवाही शुरू होने से पहले कई मंत्रियों ने अपने मंत्रालयों से जुड़े जरूरी दस्तावेज सदन के पटल पर रखे। सुबह 11 बजे बैठक शुरू होते ही विपक्षी सदस्य नारेबाजी करते हुए वेल में पहुंच गए। उनका विरोध केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी पर लगे कथित आरोपों को लेकर था, जिन्हें जेफरी एपस्टीन मामले से जोड़ते हुए इस्तीफे की मांग की गई। मंत्री ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज किया। इसी दौरान कोडीन सिरप से कथित मौतों का मुद्दा भी उठा। कांग्रेस सांसद उज्ज्वल रमन सिंह ने मुआवजे और सीबीआई जांच की मांग रखी। प्रश्नकाल में स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि कोडीन से मौत की पुष्टि नहीं हुई है, इसलिए मुआवजे का सवाल नहीं बनता। पीठासीन अधिकारी संध्या राय ने व्यवस्था बनाए रखने की अपील की, लेकिन हंगामा जारी रहने पर पहले दोपहर तक और बाद में पूरी कार्यवाही 9 मार्च तक स्थगित कर दी गई।

'सेवा तीर्थ' से बड़े फैसले: पीएम मोदी ने महिलाओं, युवाओं और किसानों के लिए नई योजनाओं को दी मंजूरी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नए प्रधानमंत्री कार्यालय परिसर 'सेवा तीर्थ' का उद्घाटन किया और यहीं से अपने पहले फैसलों में सेवा और जनकल्याण को प्राथमिकता देने का संदेश दिया। नए कार्यालय में कार्यभार संभालते ही उन्होंने महिलाओं, युवाओं, किसानों और कमजोर वर्ग से जुड़ी कई अहम योजनाओं की फाइलों पर हस्ताक्षर किए। सरकार के अनुसार इन निर्णयों का उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों को सीधे तौर पर सशक्त करना है। नए प्रधानमंत्री कार्यालय परिसर से जिन प्रमुख योजनाओं को मंजूरी मिली, उनमें सबसे पहले "पीएम राहत स्कीम" शामिल है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि आपात स्थिति में तुरंत उपचार मिल सके और जान बचाई जा सके। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण को आगे बढ़ाते हुए "लखपति दीदी" योजना का लक्ष्य भी दोगुना किया गया है। पहले मार्च 2027 तक 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य था, जिसे समय से पहले हासिल कर लिया गया। अब सरकार ने मार्च 2029 तक यह लक्ष्य बढ़ाकर 6 करोड़ कर दिया है। इससे स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं की आय और उद्यमिता को नई गति मिलने की उम्मीद है।

किसानों के लिए भी बड़ा फैसला लेते हुए एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंड को 1 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2 लाख करोड़ रुपये करने को मंजूरी दी गई है। इसका मकसद खेती से जुड़ी भंडारण, प्रोसेसिंग और सप्लाई चेन ढांचे को मजबूत करना है, जिससे किसानों को बेहतर दाम और सुविधाएं मिल सकें। युवाओं और नवाचार क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए "स्टार्टअप इंडिया – फंड ऑफ फंड्स 2.0" को भी मंजूरी दी गई है। 10,000 करोड़ रुपये के इस फंड से डीप टेक, एडवांस मैन्युफैक्चरिंग और नई तकनीक आधारित स्टार्टअप्स को सहयोग मिलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'सेवा तीर्थ' नागरिक सेवा, करुणा और इंडिया फर्स्ट की भावना का प्रतीक बनेगा और आने वाली पीढ़ियों को निस्वार्थ सेवा के लिए प्रेरित करेगा।

पीएम मोदी ने तारिक रहमान को चुनाव में जीत की दी बधाई, भारत-बांग्लादेश की खुशहाली की जताई प्रतिबद्धता

नई दिल्ली । बांग्लादेश में 13वें संसदीय चुनाव के सामने आए परिणामों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की बड़ी जीत हुई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पहले बीएनपी और पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान को बधाई दी। बाद में पीएम मोदी ने तारिक से फोन पर भी बातचीत की और जीत की बधाई दी।

पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा- तारिक रहमान से बात करके बहुत खुशी हुई

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए पीएम मोदी ने लिखा, "तारिक रहमान से बात करके बहुत खुशी हुई। मैंने उन्हें बांग्लादेश चुनाव में शानदार जीत के लिए बधाई दी। मैंने बांग्लादेश के लोगों की उम्मीदों को पूरा करने की उनकी कोशिश के लिए अपनी शुभकामनाएं और समर्थन दिया।" पीएम मोदी ने आगे कहा, "दो करीबी पड़ोसियों के तौर पर, जिनके ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंध बहुत गहरे हैं, मैंने दोनों देशों के लोगों की शांति, तरक्की और खुशहाली के लिए भारत के लगातार प्रतिबद्धता को फिर से सुनिश्चित किया।"

पीएम मोदी ने कहा- यह जीत बांग्लादेश के लोगों का आपके लीडरशिप पर भरोसा दिखाती है

इससे पहले पीएम मोदी ने बीएनपी प्रमुख को बधाई दी। एक्स पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, "मैं बांग्लादेश में संसदीय चुनावों में बीएनपी को बड़ी जीत दिलाने के लिए तारिक रहमान को दिल से बधाई देता हूं। यह जीत बांग्लादेश के लोगों का आपके लीडरशिप पर भरोसा दिखाती है। भारत एक डेमोक्रेटिक, प्रोग्रेसिव और सबको साथ लेकर चलने वाले बांग्लादेश के सपोर्ट में खड़ा रहेगा। मैं हमारे कई तरह के रिश्तों को मजबूत करने और हमारे साझा विकास के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए आपके साथ काम करने का इंतजार कर रहा हूं।"

दोनों देशों के बीच संबंध होंगे बेहतर

उम्मीद है, बीएनपी भारत के साथ अपने राजनयिक और कूटनीतिक संबंध बेहतर करने का प्रयास करेगी। इसकी वापसी से दोनों देशों के बीच सीमा, अवैध आव्रजन और जल बंटवारे (जैसे तीस्ता) जैसे मुद्दे फिर प्रमुख बन सकते हैं। पूर्व पीएम शेख हसीना के कार्यकाल में दोनों देशों के संबंध काफी अच्छे थे। अवामी लीग से पूर्व जब खालिदा जिया के नेतृत्व में बीएनपी का शासन था, तब भारत और बांग्लादेश के बीच कड़वाहट देखने को मिली थी। लेकिन अब तारिक रहमान के हाथ में सत्ता की कमान होने के बाद इसमें थोड़ा बदलाव आने की संभावना है। बांग्लादेशी मीडिया द डेली स्टार के अनुसार, 299 में से 297 सीटों पर वोटों की गिनती हो चुकी है। 212 सीटों पर बीएनपी और उसके गठबंधन ने जीत दर्ज की है। इसके अलावा जमात-ए-इस्लामी पार्टी ने 77 सीटों पर, इस्लामी आंदोलन बांग्लादेश ने एक और अन्य ने सात सीटों पर जीत दर्ज की है।

विधानसभा में सपा पर CM योगी का शायराना तंज, 'धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करते रहे'

यूपी। यूपी विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार (13 फरवरी) को राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आज भारत वैश्विक स्तर पर नई दिशा दिखा रहा है, लेकिन विपक्ष ने सदन की गरिमा के अनुरूप आचरण नहीं किया। उन्होंने समाजवादी पार्टी के रवैये पर आपत्ति जताते हुए कहा कि उसके व्यवहार से पूरा सदन आहत हुआ है। सपा पर तंज कसते हुए उन्होंने मशहूर शायर मिर्जा गालिब का शेर पढ़ा— "धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करते रहे।"

पहले यूपी को शक की निगाह से देखा जाता था- सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की छवि पहले खराब थी और इसके लिए पूर्ववर्ती सरकारों का आचरण जिम्मेदार रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने मातृशक्ति का भी अपमान किया। पहले उत्तर प्रदेश को संदेह की नजर से देखा जाता था, लेकिन अब स्थिति बदल चुकी है। उन्होंने कहा कि अब यूपी को बीमारू राज्य नहीं कहा जाता, बल्कि यह देश के विकास का अग्रिम इंजन बन चुका है। 2017 से पहले नीतिगत उदासीनता और विकास विरोधी सोच हावी थी, जबकि पिछले वर्षों में अनुशासन और सुशासन के साथ विकास की नई परिभाषा गढ़ी गई है।

2017 के पहले गुंडों की समानांतर सरकार थी- सीएम

सीएम योगी ने कहा कि पहले युवाओं के सामने पहचान का संकट था, जबकि अब बिना भेदभाव योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। सरकार अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि 2017 से पहले प्रदेश में गुंडों की समानांतर सरकार चलती थी और दंगे व कर्फ्यू आम बात थे।

पहले न बेटियां न व्यापारी सुरक्षित थे- सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले "वन डिस्ट्रिक्ट-वन माफिया" जैसा माहौल था और सत्ता संरक्षण में अपराधी पनपते थे। उस समय न बेटियां सुरक्षित थीं और न व्यापारी वर्ग। अब प्रदेश में भय का वातावरण खत्म हुआ है और लोगों में आस्था का भाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कुंभ में 12 करोड़ और प्रयागराज माघ मेले में 21 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे। उनके मुताबिक अब उत्तर प्रदेश उपद्रव नहीं, उत्सव का प्रदेश बन चुका है।

दिल्ली में राशन कार्ड नियमों में बड़ा बदलाव: जानिए किसे मिलेगा फायदा, कौन रहेगा बाहर

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में राशन कार्ड से जुड़े नियमों में अहम बदलाव किया गया है। खाद्य आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने नई अधिसूचना जारी कर आय मानदंड बढ़ा दिया है। पहले राशन कार्ड के लिए सालाना आय सीमा 1 लाख रुपये थी, जिसे अब बढ़ाकर 1.20 लाख रुपये प्रति वर्ष कर दिया गया है। यानी अब वे परिवार पात्र माने जाएंगे जिनकी कुल वार्षिक आय 1 लाख 20 हजार रुपये तक है। इससे अधिक आय वाले परिवार सरकारी राशन योजना के दायरे से बाहर रहेंगे।

किन परिवारों को मिलेगा लाभ

नई आय सीमा बढ़ने से उन जरूरतमंद परिवारों को राहत मिलेगी जो पहले तय सीमा से थोड़ा ऊपर होने के कारण राशन कार्ड नहीं बनवा पा रहे थे। अब ऐसे परिवार भी सस्ते दाम पर गेहूं, चावल और अन्य जरूरी खाद्य सामग्री प्राप्त कर सकेंगे। इसका सबसे ज्यादा फायदा मजदूरों, दिहाड़ी कामगारों, घरेलू कामगारों और छोटे दुकानदारों को मिलने की संभावना है।

सरकार का क्या है मकसद

सरकार का कहना है कि नियमों में बदलाव का उद्देश्य सब्सिडी का लाभ सही लोगों तक पहुंचाना है। आय सीमा बढ़ाने से वास्तविक जरूरतमंद परिवारों को योजना में शामिल किया जा सकेगा, जबकि ज्यादा आय वाले परिवार स्वतः बाहर हो जाएंगे। इससे फर्जी लाभार्थियों पर भी रोक लगाने में मदद मिलेगी।

परिवार के मुखिया को लेकर नियम

नई व्यवस्था में स्पष्ट किया गया है कि राशन कार्ड में परिवार का मुखिया वही माना जाएगा जो परिवार की जिम्मेदारी संभालता हो और जिसके नाम पर मुख्य दस्तावेज दर्ज हों। आमतौर पर कमाने वाला सदस्य मुखिया माना जाता है। महिला मुखिया वाले परिवारों को पहले की तरह प्राथमिकता देने का प्रावधान जारी रहेगा।

लाखों लोग लेते हैं पीडीएस का लाभ

दिल्ली में सार्वजनिक वितरण प्रणाली (PDS) के तहत लाखों लोग सस्ता राशन लेते हैं। यह व्यवस्था राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के ढांचे के भीतर चलती है, जिसमें राज्यों को पात्रता नियम तय करने का अधिकार है। समय-समय पर नियमों में संशोधन कर व्यवस्था को ज्यादा पारदर्शी बनाने की कोशिश की जाती है।

पात्र लोग कैसे करें आवेदन

जो लोग नई आय सीमा के अनुसार पात्र हैं, वे नजदीकी राशन कार्यालय या सरकारी ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। मौजूदा राशन कार्ड धारकों को भी सलाह दी गई है कि वे अपने आय संबंधी दस्तावेज अपडेट रखें, ताकि आगे किसी तरह की परेशानी न हो। कुल मिलाकर यह बदलाव गरीब और जरूरतमंद परिवारों को ध्यान में रखकर उठाया गया कदम माना जा रहा है, जिसका सीधा असर आम लोगों की रसोई पर पड़ेगा।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

14 फरवरी – प्रेम नहीं, पराक्रम और बलिदान को नमन का दिन

14 फरवरी का दिन जहां पूरी दुनिया में प्रेम दिवस के रूप में मनाया जाता है, वहीं भारत के लिए यह दिन शौर्य, त्याग और बलिदान की अमिट स्मृति लेकर आता है। वर्ष 2019 में पुलवामा में हुए आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर दिया था। इस कायराना हमले में हमारे 40 वीर जवान शहीद हो गए थे। 14 फरवरी अब सिर्फ एक तारीख नहीं, बल्कि देशभक्ति, वीरता और संकल्प का प्रतीक बन चुकी है। पुलवामा की घटना ने हमें यह एहसास कराया कि हमारी आज़ादी और सुरक्षा कितनी बड़ी कीमत पर सुरक्षित है। देश की सीमाओं पर तैनात जवान अपने परिवार, अपने सपनों और अपने सुखों को त्यागकर मातृभूमि की रक्षा करते हैं। जब पूरा देश चैन की नींद सोता है, तब वही जवान कठिन परिस्थितियों में हमारी सुरक्षा के लिए डटे रहते हैं। उनका बलिदान हमें यह सिखाता है कि राष्ट्र सर्वोपरि है।

आज आवश्यकता है कि 14 फरवरी को हम केवल शोक का दिन न मानें, बल्कि इसे संकल्प दिवस के रूप में मनाएं। संकल्प इस बात का कि हम देश की एकता और अखंडता को बनाए रखेंगे, आतंकवाद के खिलाफ एकजुट रहेंगे और शहीदों के परिवारों के साथ खड़े रहेंगे। सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम अपने कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन करें और राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखें। देश के वीर सपूतों का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। उनका साहस आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। 14 फरवरी हमें याद दिलाती है कि देशप्रेम केवल शब्दों में नहीं, बल्कि कर्मों में झलकना चाहिए। आइए, इस 14 फरवरी को प्रेम के साथ-साथ उन अमर शहीदों को नमन करें, जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर भारत माता की रक्षा की। शहीद अमर रहें।

विनोद सोखल
पत्रकार
श्रीगंगानगर
राजस्थान

विवाद की जड़ बनी अप्रकाशित आत्मकथा: लीक, अनुमति और अभिव्यक्ति के अधिकार के बीच खड़ा बड़ा सवाल

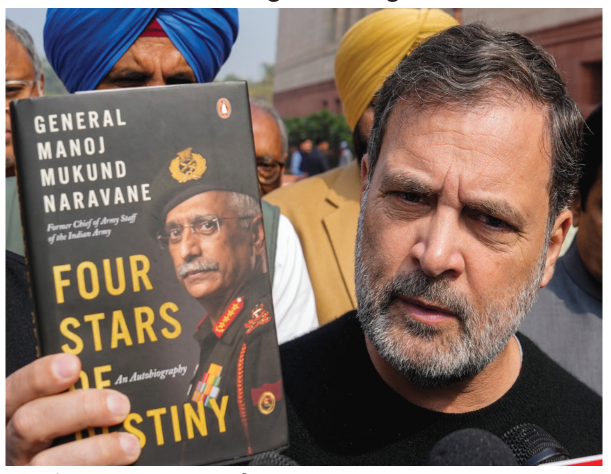

भारत की सार्वजनिक और सुरक्षा संबंधी विमर्श परंपरा में पूर्व सैन्य अधिकारियों की आत्मकथाएं हमेशा विशेष महत्व रखती रही हैं। वे केवल व्यक्तिगत जीवन की कहानी नहीं होतीं, बल्कि नीति, निर्णय, संघर्ष और संकट के समय लिए गए कदमों की अंदरूनी झलक भी देती हैं। हाल ही में पूर्व थलसेना प्रमुख जनरल मनोज मुकुंद नरवणे की अप्रकाशित आत्मकथा "Four Stars of Destiny" की डिजिटल प्रति के कथित लीक और उसके सोशल मीडिया पर प्रसार ने एक व्यापक बहस को जन्म दे दिया है। मामला अब सिर्फ एक किताब के प्रकाशन का नहीं रह गया, बल्कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, राष्ट्रीय सुरक्षा, सरकारी स्वीकृति प्रक्रिया और डिजिटल युग की वास्तविकताओं से जुड़ा बड़ा प्रश्न बन चुका है। इस पूरे प्रकरण में जांच की औपचारिक शुरुआत दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा की गई है, जो यह पता लगाने में जुटी है कि अप्रकाशित पुस्तक की पीडीएफ प्रति सार्वजनिक प्लेटफॉर्म तक कैसे पहुंची। लेकिन जांच से परे जो सवाल समाज और बौद्धिक वर्ग के बीच गूंज रहा है, वह यह है — आखिर यह पुस्तक अब तक प्रकाशित क्यों नहीं हो सकी?

आत्मकथा का महत्व और उत्सुकता का कारण

पूर्व सेना प्रमुख की आत्मकथा स्वाभाविक रूप से रुचि का विषय होती है। चार दशक से अधिक के सैन्य जीवन, सीमावर्ती तैनाती, उच्च स्तरीय रणनीतिक निर्णय, पड़ोसी देशों के साथ तनाव, संघर्षविराम की परिस्थितियां, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां और वैश्विक महामारी जैसे दौर में सेना की भूमिका — ये सब ऐसे पहलू हैं जिन्हें आमतौर पर जनता आधिकारिक बयानों या संक्षिप्त प्रेस नोट्स के जरिए ही जान पाती है। जब कोई शीर्ष अधिकारी अपने अनुभवों को विस्तार से लिखता है, तो वह इतिहास का वैकल्पिक दस्तावेज बन जाता है। इसी वजह से इस आत्मकथा को लेकर रक्षा विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और सामान्य पाठकों में उत्सुकता थी। प्रकाशन की घोषणा भी हो चुकी थी और अग्रिम बुकिंग तक ली गई थी। ऐसे में अचानक प्रकाशन प्रक्रिया का रुक जाना और फिर धन वापसी की सूचना आना स्वाभाविक रूप से संदेह और जिज्ञासा दोनों पैदा करता है।

अनुमति प्रक्रिया और अटका हुआ प्रकाशन

भारत में पूर्व सैन्य अधिकारियों द्वारा लिखी जाने वाली पुस्तकों के लिए पूर्व स्वीकृति की प्रक्रिया लागू होती है। यह व्यवस्था इसलिए बनाई गई है ताकि कोई संवेदनशील या गोपनीय जानकारी अनजाने में सार्वजनिक न हो जाए। यह अनुमति आमतौर पर रक्षा मंत्रालय के स्तर पर दी जाती है। बताया गया कि इस पुस्तक के मामले में स्वीकृति लंबित रही, जबकि उसी अवधि में कई अन्य पुस्तकों को अनुमति मिल गई। सूचना के अधिकार के माध्यम से प्राप्त आंकड़ों में यह अंतर सामने आने के बाद सवाल और गहरे हो गए। यदि प्रक्रिया सामान्य है, तो देरी असामान्य क्यों रही? क्या सामग्री की जांच में कोई विशेष आपत्ति थी, या मामला प्रशासनिक स्तर पर अटक गया? लेखक की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि पांडुलिपि तैयार कर प्रकाशक को सौंप दी गई थी और स्वीकृति प्राप्त करना प्रकाशक तथा संबंधित प्रक्रिया का हिस्सा था। यह भी कहा गया कि पुस्तक में दी गई जानकारी लेखक के अनुभव और दृष्टिकोण पर आधारित है तथा उसमें कोई मनगढ़ंत या भ्रामक विवरण नहीं है।

सामग्री पर नहीं, सार्वजनिक होने पर आपत्ति?

विवाद का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अब तक किसी आधिकारिक बयान में यह नहीं कहा गया कि पुस्तक की सामग्री तथ्यात्मक रूप से गलत है। न लेखक ने अपने कथनों से पीछे हटने की बात कही और न प्रकाशक ने सामग्री पर आपत्ति जताई। इससे यह धारणा मजबूत होती है कि समस्या सामग्री की सत्यता से अधिक उसके सार्वजनिक होने के प्रभाव को लेकर है। कुछ समाचार माध्यमों ने कथित रूप से पुस्तक के अंशों के आधार पर रिपोर्ट प्रकाशित कीं, जिनमें सीमावर्ती संकटों के दौरान लिए गए निर्णयों और हालात का जिक्र था। संसद में जब इन संदर्भों को उठाने की कोशिश हुई तो तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली। इसके तुरंत बाद डिजिटल प्रति के व्यापक प्रसार की खबरें सामने आने लगीं। यहीं से यह मामला केवल प्रकाशन अनुमति का न रहकर राजनीतिक और नीतिगत संवेदनशीलता से जुड़ गया।

कॉपीराइट, गोपनीयता और कानूनी पहलू

कानूनी दृष्टि से देखा जाए तो किसी भी अप्रकाशित पुस्तक की डिजिटल प्रति को बिना अनुमति प्रसारित करना कॉपीराइट उल्लंघन की श्रेणी में आ सकता है। लेखक और प्रकाशक — दोनों के अधिकार इसमें शामिल होते हैं। यदि पुस्तक में ऐसी जानकारी है जिसे सुरक्षा की दृष्टि से संवेदनशील माना जाए, तो अन्य कानून भी लागू हो सकते हैं। हालांकि यह निर्धारण संबंधित प्राधिकरण द्वारा सामग्री की समीक्षा के बाद ही संभव है। जांच एजेंसियों के सामने अभी दो प्रमुख प्रश्न हैं—

1. डिजिटल प्रति सबसे पहले कहां से बाहर आई?
2. क्या प्रसार जानबूझकर किया गया या लापरवाही से हुआ?

डिजिटल युग में फाइल का प्रसार बहुत तेजी से होता है। एक बार कोई दस्तावेज सीमित दायरे से बाहर निकला तो उसे पूरी तरह रोक पाना लगभग असंभव हो जाता है।

डिजिटल युग की नई वास्तविकता

यह घटना एक बड़ी डिजिटल सच्चाई को उजागर करती है — सूचना को अनिश्चितकाल तक रोके रखना अब संभव नहीं रहा। पहले प्रकाशन पर रोक का मतलब था कि दस्तावेज सीमित फाइलों में बंद रहेगा। आज एक पीडीएफ फाइल सेकंडों में हजारों लोगों तक पहुंच सकती है। प्रतिबंध या देरी कई बार उलटा असर डालती है। जिस सामग्री को सीमित रखना चाहा जाता है, वही ज्यादा चर्चा का विषय बन जाती है। इसे "स्ट्रेसैंड इफेक्ट" भी कहा जाता है — रोकने की कोशिश ही प्रसार का कारण बन जाती है। यदि कोई पुस्तक आधिकारिक रूप से प्रकाशित होती, आवश्यक संपादन और संदर्भ सहित आती, तो पाठक उसे संतुलित रूप में पढ़ते। लेकिन अनौपचारिक लीक के कारण अंश अलग-अलग संदर्भ में फैलते हैं, जिससे गलत व्याख्या और अफवाह का खतरा बढ़ जाता है।

राष्ट्रीय सुरक्षा बनाम सार्वजनिक विमर्श

यह विवाद एक पुराने लेकिन महत्वपूर्ण प्रश्न को फिर सामने लाता है — राष्ट्रीय सुरक्षा और सार्वजनिक विमर्श के बीच संतुलन कैसे बने? निश्चित रूप से सैन्य अभियानों, रणनीतियों और परिचालन विवरणों को सावधानी से संभालना जरूरी है। परंतु क्या हर अनुभव, हर विश्लेषण और हर आलोचनात्मक दृष्टिकोण को भी सुरक्षा के नाम पर रोका जाना चाहिए? लोकतांत्रिक व्यवस्था में नीति और निर्णयों पर चर्चा का अधिकार नागरिकों के पास होता है। जो लोग सर्वोच्च पदों पर रहे हैं, उनके अनुभव सार्वजनिक बहस को समृद्ध करते हैं। यदि हर असुविधाजनक विवरण को रोक दिया जाए, तो इतिहास एकतरफा हो जाता है।

सैन्य नेतृत्व की स्मृतियां क्यों जरूरी

भारतीय थलसेना जैसे संस्थानों का इतिहास केवल युद्धों और ऑपरेशनों से नहीं बनता, बल्कि नेतृत्व के निर्णयों, आंतरिक विचार-विमर्श और जमीनी अनुभवों से भी बनता है। आत्मकथाएं भविष्य के शोध, नीति निर्माण और सैन्य शिक्षा के लिए महत्वपूर्ण स्रोत होती हैं। दुनिया के कई देशों में पूर्व सैन्य अधिकारी खुलकर लिखते हैं। वहां भी सुरक्षा समीक्षा होती है, पर प्रकाशन पूरी तरह अवरुद्ध कम ही होता है। संपादन, ब्लैकआउट या संदर्भ नोट जोड़कर समाधान निकाला जाता है। इस दृष्टि से देखा जाए तो संतुलित प्रकाशन — पूर्ण रोक की तुलना में — अधिक व्यावहारिक रास्ता माना जाता है।

राजनीतिक असहजता का तत्व

जब भी किसी पुस्तक या दस्तावेज में हाल की संवेदनशील घटनाओं का वर्णन होता है, तो उसका राजनीतिक असर भी होता है। यदि किसी आधिकारिक आख्यान से अलग तस्वीर सामने आती है, तो असहजता स्वाभाविक है। लेकिन लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि वह असहज सवालों को भी जगह दे। असहमति और वैकल्पिक दृष्टिकोण को जगह देना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत है। रोक और चुप्पी अल्पकालिक राहत दे सकती है, पर दीर्घकाल में अविश्वास को जन्म देती है।

पाठक का अधिकार और संदर्भ की जरूरत

पाठक का भी अधिकार है कि वह किसी महत्वपूर्ण सार्वजनिक व्यक्ति के अनुभवों को पढ़ सके — बशर्ते कि वे राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान न पहुंचाएं। लेकिन यह भी जरूरी है कि सामग्री सही संदर्भ और स्पष्टीकरण के साथ उपलब्ध हो। अधूरी लीक, कटे-फटे अंश और बिना सत्यापन के प्रसार से भ्रम पैदा होता है। बेहतर यही होता कि अधिकृत संस्करण सामने आता, आवश्यक नोट और स्पष्टीकरण के साथ।

जांच का दायरा और पारदर्शिता

जांच एजेंसियों का काम यह पता लगाना है कि लीक कैसे हुआ — यह वैध और जरूरी प्रक्रिया है। लेकिन उतना ही जरूरी है कि जांच पारदर्शी हो और उसका उद्देश्य केवल दंड नहीं, व्यवस्था सुधार भी हो। क्या भविष्य में ऐसी पांडुलिपियों के लिए डिजिटल सुरक्षा प्रोटोकॉल मजबूत किए जाएंगे? क्या अनुमति प्रक्रिया समयबद्ध और स्पष्ट होगी? यदि यह प्रकरण सुधार का कारण बनता है, तो इसका सकारात्मक परिणाम भी निकल सकता है। यह पूरा प्रकरण केवल एक अप्रकाशित आत्मकथा का विवाद नहीं है। यह राज्य, सुरक्षा, अभिव्यक्ति, पारदर्शिता और डिजिटल स्वतंत्रता के बीच चल रहे बड़े संघर्ष का प्रतीक है। एक ओर गोपनीयता और सुरक्षा की वैध चिंता है, दूसरी ओर अनुभव और विचार साझा करने का लोकतांत्रिक अधिकार। समाधान टकराव में नहीं, संतुलन में है।

मनोरंजन या मानसिक संकट: गेमिंग लत की खामोश त्रासदी

डिजिटल दौर ने मनोरंजन के मायने पूरी तरह बदल दिए हैं। कभी खेल मैदानों में खेले जाते थे, फिर टीवी स्क्रीन तक सीमित हुए और अब मोबाइल, टैबलेट और कंप्यूटर की स्क्रीन पर सिमट गए हैं। ऑनलाइन गेमिंग आज बच्चों, किशोरों और युवाओं की जिंदगी का बड़ा हिस्सा बन चुकी है। शुरुआत में यह समय बिताने और दिमागी फुर्ती बढ़ाने का जरिया लगता है, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत लत में बदल जाए तो यह मानसिक, सामाजिक और शारीरिक संकट का कारण बन जाती है। गेमिंग लत एक ऐसी खामोश त्रासदी है, जो बाहर से मनोरंजन दिखती है लेकिन भीतर से व्यक्ति को खोखला कर देती है।

बदलती जीवनशैली और गेमिंग का उभार

इंटरनेट की सुलभता, सस्ते स्मार्टफोन और तेज डेटा ने ऑनलाइन गेमिंग को हर घर तक पहुंचा दिया है। महामारी के बाद यह रुझान और तेज हुआ, जब लोग लंबे समय तक घरों में सीमित रहे। पढ़ाई, काम और मेलजोल सब डिजिटल हो गया। खाली समय भरने के लिए बच्चों और युवाओं ने ऑनलाइन गेम्स का सहारा लिया। शुरू में यह सामान्य लगा—दोस्तों के साथ खेलना, टीम बनाना, जीतना-हारना। लेकिन जब खेल रोज़ का अनिवार्य हिस्सा बन जाए, घंटों का समय निगल जाए और बाकी जरूरी काम पीछे छूटने लगें, तो समझ लेना चाहिए कि मामला सिर्फ मनोरंजन का नहीं रहा।

लत कैसे बनती है

ऑनलाइन गेम्स को इस तरह डिजाइन किया जाता है कि खिलाड़ी बार-बार लौटे। लेवल, रिवॉर्ड, बैज, पॉइंट, नई स्किन, नई गन, नई पावर—हर चीज दिमाग में उत्साह और लालच पैदा करती है। हर जीत पर दिमाग में डोपामिन जैसा "फील-गुड" केमिकल रिलीज होता है, जिससे आनंद महसूस होता है। हार के बाद दोबारा जीतने की चाह और बढ़ जाती है। यही चक्र धीरे-धीरे आदत को मजबूरी बना देता है। खिलाड़ी सोचता है — "बस एक गेम और", "बस एक लेवल और" — और देखते ही देखते कई घंटे निकल जाते हैं।

बच्चों और किशोरों पर असर

सबसे ज्यादा असर बच्चों और किशोरों पर पड़ रहा है, क्योंकि उनका दिमाग अभी विकसित हो रहा होता है। उनमें आत्म-नियंत्रण की क्षमता पूरी तरह मजबूत नहीं होती। गेमिंग उन्हें तुरंत रोमांच और उपलब्धि का एहसास देती है, जबकि पढ़ाई और वास्तविक जीवन की उपलब्धियां समय लेती हैं।

इसके नतीजे साफ दिखते हैं—

- पढ़ाई में गिरावट
- ध्यान की कमी
- चिड़चिड़ापन
- गुस्सा और आक्रामक व्यवहार
- नींद की कमी
- परिवार से दूरी

कई बच्चे रात-रात भर गेम खेलते हैं, जिससे उनकी दिनचर्या बिगड़ जाती है। सुबह स्कूल में उनींदापन और थकान रहती है।

मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव

गेमिंग लत सिर्फ समय की बर्बादी नहीं, मानसिक स्वास्थ्य का मामला भी है। लगातार वर्चुअल दुनिया में रहने से वास्तविक दुनिया फीकी लगने लगती है। जब गेम नहीं खेल पाते, तो बेचैनी, तनाव और खालीपन महसूस होता है। कुछ मामलों में यह लत अवसाद (डिप्रेशन), चिंता (एंग्जायटी) और सामाजिक अलगाव तक ले जाती है। व्यक्ति वास्तविक रिश्तों से कटने लगता है। उसे स्क्रीन के दोस्त असली दोस्तों से ज्यादा करीब लगते हैं। हार मिलने पर गुस्सा, जीत मिलने पर अत्यधिक उत्तेजना — यह भावनात्मक उतार-चढ़ाव मानसिक संतुलन को प्रभावित करता है।

शारीरिक नुकसान भी कम नहीं

लंबे समय तक स्क्रीन के सामने बैठना शरीर पर भी असर डालता है—

- आंखों पर दबाव, धुंधलापन
- गर्दन और पीठ दर्द
- मोटापा
- सिरदर्द
- नींद का बिगड़ना

बाहर खेलने-कूदने की आदत कम हो जाती है। शारीरिक गतिविधि घटती है, जिससे फिटनेस पर असर पड़ता है।

सामाजिक जीवन से दूरी

गेमिंग लत का एक बड़ा संकेत है — सामाजिक दूरी। बच्चा या युवा परिवार के साथ बैठने से कतराता है, दोस्तों से मिलना कम कर देता है, बातचीत घट जाती है। उसे अकेले कमरे में गेम खेलना ज्यादा पसंद आता है। धीरे-धीरे उसका सामाजिक आत्मविश्वास भी कम हो सकता है। आमने-सामने बात करने में झिझक बढ़ती है। असली दुनिया की चुनौतियां भारी लगने लगती हैं।

आर्थिक खतरे

आज कई ऑनलाइन गेम्स "फ्री" होते हैं, लेकिन उनके अंदर खरीदारी (इन-ऐप परचेज) का जाल बिछा होता है। नई चीजें खरीदने के लिए पैसे लगते हैं। बच्चे कई बार बिना समझे माता-पिता के कार्ड से खर्च कर देते हैं। किशोर और युवा पेड फीचर, लूट बॉक्स और बेटिंग जैसे फीचर में पैसा गंवा देते हैं। यह आदत आर्थिक नुकसान और अपराध तक ले जा सकती है।

कब समझें कि लत बन चुकी है

कुछ संकेत बताते हैं कि गेमिंग अब नियंत्रण से बाहर जा रही है—

- रोज कई घंटे गेम खेलना
- रोकने पर गुस्सा या बेचैनी
- पढ़ाई/काम छोड़कर गेम खेलना
- नींद और खाने की अनदेखी
- झूठ बोलकर गेम खेलना
- गेम के अलावा कुछ अच्छा न लगना

अगर ये लक्षण दिखें, तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

परिवार की भूमिका

माता-पिता की भूमिका सबसे अहम है। सिर्फ डांटने या मोबाइल छीन लेने से समस्या हल नहीं होती। जरूरत है समझने और संतुलित नियम बनाने की।

- बच्चों के स्क्रीन टाइम की सीमा तय करें
- खुलकर बात करें
- खुद भी स्क्रीन उपयोग में संतुलन रखें
- बच्चों को वैकल्पिक गतिविधियां दें — खेल, संगीत, पढ़ना
- गेम्स की प्रकृति समझें — क्या खेल रहे हैं

घर का माहौल संवाद वाला होना चाहिए, डर वाला नहीं।

स्कूल और समाज की जिम्मेदारी

स्कूलों में डिजिटल आदतों पर जागरूकता जरूरी है। बच्चों को सिखाना होगा कि तकनीक का उपयोग कैसे संतुलित तरीके से करें। काउंसलिंग व्यवस्था भी होनी चाहिए। समाज स्तर पर भी इस विषय पर खुलकर चर्चा होनी चाहिए। गेमिंग लत को "छोटी आदत" कहकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

सरकार और नीति की जरूरत

ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है। इसके लिए स्पष्ट नियम जरूरी हैं—

- उम्र आधारित नियंत्रण
- समय सीमा वाले फीचर
- खर्च पर सीमा
- चेतावनी संदेश
- नशे जैसी लत वाले डिजाइन पर रोक

रेगुलेशन का मकसद रोकना नहीं, सुरक्षित बनाना होना चाहिए।

इलाज और सुधार संभव है

अच्छी बात यह है कि गेमिंग लत का इलाज संभव है। काउंसलिंग, व्यवहार थेरेपी और परिवार के सहयोग से सुधार आता है। सबसे पहला कदम है — समस्या को स्वीकार करना। धीरे-धीरे समय घटाना, दिनचर्या बनाना, ऑफलाइन गतिविधि बढ़ाना — ये प्रभावी कदम हैं।

करुणा, कर्म, विश्वास पहले, खुद को बनाए अपना वेलेंटाइन

-खुद को बेहतर बनाएं, जीवन को पवित्र बनाएं

आज का युवा सपनों, प्रतिस्पर्धा और उपलब्धियों की दौड़ में आगे बढ़ रहा है। लेकिन इस भागदौड़ में कहीं न कहीं वह अपने मूल संस्कार, मानसिक संतुलन और मानवीय मूल्यों को पीछे छोड़ता जा रहा है। जीवन केवल सफलता पाने का नाम नहीं, बल्कि सही कर्म, सही सोच और सही व्यवहार का नाम है

भगवान,अध्यात्म और कर्म – जीवन की सच्ची दिशा:-

हम चाहे किसी भी धर्म को मानें, एक बात समान है —

भगवान हमें कर्म करने की शिक्षा देते हैं।

अच्छे कर्म ही सच्ची पूजा हैं।

यदि हमारे कर्म से किसी का दिल दुखता है, तो वह भक्ति अधूरी है।

ईश्वर पर विश्वास हमें संयम और धैर्य सिखाता है, लेकिन कर्म ही हमारे भविष्य का निर्माण करते हैं।

माता-पिता – जीवन की पहली शक्ति:-

माता-पिता हमारी जड़ें हैं।

उनका सम्मान करना, उनका विश्वास बनाए रखना केवल संस्कार नहीं, बल्कि नैतिक कर्तव्य है।

जो अपने माता-पिता का आशीर्वाद साथ रखता है, आजादी के साथ साथ उनका विश्वास बनाए रखता है उसके जीवन में स्थिरता और आत्मबल बना रहता है।

उनकी सेवा, उनका विश्वास सबसे बड़ा पुण्य कर्म है।

मानसिक स्वास्थ्य – अनदेखा लेकिन आवश्यक:-

आज तनाव, चिंता और अवसाद आम हो गए हैं।

मानसिक स्वास्थ्य की अनदेखी करना कमजोरी नहीं, बल्कि गलती है। कई बार सामने वाले के भविष्य, उसकी खुशी के लिए हम अपनी खुशी, अपना भविष्य और अपना ख्याल भूल जाते है और फिर बढ़ते अकेलेपन के साथ साथ मानसिक स्वास्थ्य को संभालना ना मुमकिन हो जाता है

विज्ञान भी मानता है कि

सकारात्मक सोच, संयमित कर्म,परिवार का सहयोग

और आत्म-संवाद

मानसिक संतुलन को मजबूत करते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

करुणा और विश्वास – स्वस्थ्य समाज की असली नींव:-

करुणा हमें दूसरों के दर्द को समझना सिखाती है।

विश्वास किसी भी रिश्ते की सबसे बड़ी पूंजी है।

जहाँ करुणा है, वहाँ कठोरता कम होती है।

जहाँ विश्वास है, वहाँ डर नहीं होता।

अपनी खुशी के लिए किसी का जीवन खराब न करें, संतुलन बनाकर चलना ही जीवन का असली महत्व बताता है

क्षणिक सुख के लिए किसी को धोखा देना, किसी का दिल तोड़ना , किसी के मानसिक स्वास्थ्य के साथ खेलना,किसी का जीवन बिगाड़ना सही नहीं। हमारा थोड़ा सा गलत निर्णय किसी के पूरे जीवन की योजना, भविष्य, मानसिक स्वास्थ्य और उसकी सोच ,उसके नजरिए को बदल देता है

सच्ची खुशी वही है जिसमें

हमारा मन शांत हो

हमारे माता-पिता, हमारा समाज गर्व महसूस करें

और हमारे कर्म किसी के लिए पीड़ा का कारण न बनें

विज्ञान और संस्कार साथ साथ:-

आधुनिक शोध बताते हैं कि

जो लोग कृतज्ञता, पारिवारिक जुड़ाव और नैतिक मूल्यों को अपनाते हैं, उनमें तनाव कम और संतोष अधिक होता है।

इसलिए जीवन में केवल भावना नहीं, बल्कि विज्ञान और निस्वार्थ कर्म आधारित समझ भी जरूरी है।

संस्कार और विज्ञान जब साथ चलते हैं, तब संतुलित समाज बनता है।

सामाजिकता क्यों जरूरी है सामाजिकता न खो दें:-

आज के समय में हम अक्सर एक व्यक्ति, एक रिश्ते या एक साथी के पीछे इतना केंद्रित हो जाते हैं कि परिवार, मित्र और समाज से दूरी बना लेते हैं। उस समय हमें लगता है कि बस वही व्यक्ति हमारी पूरी दुनिया है। लेकिन जीवन लंबा है, और रिश्तों की परीक्षा समय लेता है। जब परिस्थितियाँ बदलती हैं, विश्वास टूटता है,लोग बदलते हैं या दूरी आ जाती है — तब हमें एहसास होता है कि हमने अपनी सामाजिकता, मित्र और अपने परिवार को कितना पीछे छोड़ दिया था। और यह हमारे अकेलेपन बढ़ाने के साथ साथ मानसिक स्वास्थ्य को झकझोर कर देता है और जीवन को संभाल पाना दुर्लभ हो जाता है

समाज हमें पहचान देता है।

परिवार मानसिक संतुलन बनाए रखता है।

विविध रिश्ते जीवन को संतुलित और सुरक्षित बनाते हैं।

विज्ञान भी कहता है कि जिन लोगों का सामाजिक दायरा संतुलित होता है, उनमें अवसाद और अकेलेपन की संभावना कम होती है।

संतुलन ही समझदारी है

यूं तो प्रेम में समझदारी हो फिर प्रेम क्या लेकिन फिर भी प्रेम या एक साथी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हो सकता है,

लेकिन मानसिक स्वास्थ्य उस पर निर्भर करे इतना हावी कभी नहीं होने दे ।

जो व्यक्ति अपने परिवार, मित्रों और सामाजिक मूल्यों को साथ लेकर चलता है, वह जीवन में कम अकेला पड़ता है।

क्षणिक भावनाओं में आकर सामाजिकता को त्याग देना भविष्य में गहरे अकेलेपन का कारण बन सकता है।

दीपेश लहकोड़िया
संचालक जीवन ज्योति
फाउंडेशन जयपुर

'निरोगी एवं स्वस्थ राजस्थान' का संकल्प धरातल पर तेजी से हो रहा साकार - भजनलाल शर्मा

-बजट में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कल्याण के लिए 32 हजार 526 करोड़ रुपये, 2023-24 से 53 प्रतिशत अधिक आवंटन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश में चिकित्सा व्यवस्थाओं के सुदृढ़ीकरण एवं आमजन को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी क्रम में राज्य बजट 2026-27 में स्वास्थ्य कल्याण के क्षेत्र में 32 हजार 526 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो वर्ष 2023-24 से 53 प्रतिशत अधिक है। यह राज्य सरकार की 'निरोगी एवं स्वस्थ राजस्थान' की अवधारणा को धरातल पर उतारने की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बजट में चिकित्सा क्षेत्र में बुनियादी ढांचे का विस्तार, डिजिटल नवाचार, मानसिक स्वास्थ्य, निःशुल्क उपचार सहित विभिन्न क्षेत्रों पर फोकस कर उल्लेखनीय पहल की गई है।

6.52 करोड़ आभा आई.डी. जारी

राज्य सरकार द्वारा आरजीएचएस योजना, आयुष्मान वय वंदन योजना, मुख्यमंत्री निःशुल्क निरोगी राजस्थान (दवा) योजना जैसी योजनाएं संचालित हैं, जो प्रदेश के प्रत्येक वर्ग को चिकित्सकीय सेवाएं उपलब्ध करवा रही हैं। राजस्थान डिजीटल स्वास्थ्य मिशन तथा आयुष्मान भारत डिजीटल मिशन के अंतर्गत 6.52 करोड़ आभा आई.डी. जारी की गई हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं की निर्बाध पहुंच सुनिश्चित हुई है। चिकित्सकीय क्षेत्र में नवाचारों के तहत ई-संजीवनी टेलीमेडिसन के माध्यम से 20.33 लाख मरीजों को परामर्श दिया गया। मुख्यमंत्री की मंशा है कि प्रदेशवासियों को विश्व स्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने में संसाधनों की कमी नहीं आने दी जाए। इसके तहत इस बार के बजट में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को 12 हजार 195 करोड़ रुपये, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के लिए 4 हजार 853 करोड़, परिवार कल्याण विभाग को एक हजार 798 करोड़, चिकित्सा एवं शिक्षा विभाग को 2 हजार 995 करोड़, आयुष के लिए 787.67 करोड़ तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि

नियंत्रण सहित कुल 32 हजार 526 करोड़ रुपये राज्य की चिकित्सकीय सुविधाओं के विस्तार पर व्यय किया जाएगा।

जे.के.लोन अस्पताल में बनेगा 500 बेड क्षमता का आईपीडी टॉवर

बजट के तहत जयपुर के मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकीय सुविधाओं के उन्नयन के लिए 865 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि सशक्त इमरजेंसी रेस्पॉन्स सिस्टम विकसित करते हुए शिशु मृत्यु दर को कम किया जाए। इस हेतु बच्चों को इलाज की बेहतर सुविधाओं के लिए जे.के.लोन अस्पताल में 500 बेड क्षमता के आईपीडी टॉवर की स्थापना की जाएगी। साथ ही, हॉस्पिटल में पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजी विभाग बनाया जाएगा। इसके अतिरिक्त आरयूएचएस हॉस्पिटल में 200 बेड का पीडियाट्रिक आईपीडी मय निओनेटल आईसीयू भी विकसित किया जाएगा।

मेडिकल कॉलेजों में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार

इस वर्ष के बजट में प्रदेश के अन्य मेडिकल कॉलेजों में भी स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार किया गया है। बजट में जोधपुर चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 461 करोड़ रुपये, उदयपुर चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 333 करोड़, कोटा चिकित्सा महाविद्यालय 341 करोड़, अजमेर चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 345 करोड़, बीकानेर चिकित्सा महाविद्यालय के लिए 276 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान किया गया है। इससे इन कॉलेजों में मॉड्यूलर ऑपरेशन थियेटर, क्रिटिकल केयर तथा एमसीएच (ट्रोमा सर्जरी) के सुपर स्पेश्यलिटी कोर्स, अत्याधुनिक विश्राम गृह तथा स्वास्थ्य कर्मियों की क्षमता संवर्धन के लिए बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना सहित विभिन्न कार्य करवाए जाएंगे।

पीएचसी, सीएचसी और उप स्वास्थ्य केंद्रों का किया जाएगा क्रमोन्नयन

राज्य सरकार प्रदेश के हर कोने में लोगों को मेडिकल सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है। राज्य की आर्थिक समीक्षा के अनुसार वर्तमान में 267 अस्पताल, 849 सीएचसी, 2 हजार 875 पीएचसी, 15 हजार 292 उपकेन्द्र तथा 638 आयुष्मान आरोग्य मंदिर सहित विभिन्न आयुर्वेद, होम्योपैथिक अस्पताल कार्यरत हैं। राज्य सरकार द्वारा इस वर्ष के बजट में भी चिकित्सा संस्थानों की स्थापना, सीएचसी से उप जिला चिकित्सालय में क्रमोन्नयन, पीएचसी से सीएचसी में क्रमोन्नयन, उप स्वास्थ्य केंद्र से आयुष्मान आरोग्य मंदिर में क्रमोन्नयन, नवीन उपस्वास्थ्य केंद्र तथा शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण सहित विभिन्न कार्य करवाये जाएंगे।

स्पीकर देवनानी ने विधान सभा उद्यानकर्मियों को दी बधाई

-राजस्थावन विधान सभा उद्यान को बेस्टउ एक्जीबिटर ऑफ दी शो शील्डय मिली

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा परिसर स्थित उद्यान को बेस्टर एक्जीथबिटर ऑफ दी शो शील्डर प्राप्त होने पर राजस्थाखन विधान सभा अध्यरक्ष वासुदेव देवनानी ने विधान सभा के उद्यान कर्मियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। देवनानी ने कहा कि यह सम्मान उद्यान कर्मियों की समर्पित मेहनत, सौंदर्यबोध और पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। विधानसभा परिसर केवल लोकतांत्रिक विमर्श का केंद्र ही नहीं बल्कि हरियाली और प्राकृतिक सौंदर्य का भी अनुपम स्थाधन बन रहा है। राजस्थान विधानसभा उद्यान में वर्तमान में लगभग 70 किस्मों के पुष्पीय पौधे लहलहा रहे हैं, जो परिसर की शोभा को चार चांद लगा रहे हैं। विभिन्न रंगों और प्रजातियों के फूल न केवल दर्शनीय वातावरण का सृजन कर रहे हैं बल्कि आगंतुकों और जनप्रतिनिधियों के लिए सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी कर रहे हैं। देवनानी ने उद्यान कर्मियों के कार्य की सराहना करते हुए कहा कि निरंतर परिश्रम और नवाचार के माध्यम से विधानसभा परिसर को स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल बनाए रखने का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने भविष्य में भी इसी प्रकार उत्कृष्ट कार्य करते रहने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रतिपक्ष के मुख्य सचेतक रफीक खान, विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा, मार्शल विक्रम सिंह शेखावत, विशेषाधिकारी प्रमोद कुमार शर्मा और उद्यान निरीक्षक सुरेश चौधरी भी उपस्थित थे।

पीएम सूर्यघर योजना में इस वर्ष इंस्टॉलेशन दोगुना करना डिस्कॉम्स का लक्ष्य

-सुगमता से ऋण प्रदान कर बैंक निभाएं सहभागिता -चेयरमैन डिस्कॉम्स

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। चेयरमैन डिस्कॉम्स सुश्री आरती डोगरा ने पीएम सूर्य घर योजना के अन्तर्गत रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों के इंस्टॉलेशन में प्रदेश को अग्रणी बनाने के मिशन में बैंकर्स से सहभागिता निभाने का आग्रह किया है। सुश्री डोगरा ने कहा कि इस योजना में राजस्थान देश का 5वां अग्रणी राज्य है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 42 हजार से अधिक रूफ टॉप सोलर स्थापित किए जा चुके हैं। फिलहाल प्रतिमाह औसतन लगभग 14 हजार रूफ टॉप सोलर लगाए जा रहे हैं। डिस्कॉम्स का लक्ष्य इस वर्ष इसे बढ़ाकर दोगुना करने का है। सुश्री डोगरा शुक्रवार को विद्युत भवन में विभिन्न बैंक प्रतिनिधियों के साथ पीएम सूर्यघर योजना में रूफ टॉप सोलर लगाने के इच्छुक आवेदकों को सुगमता से ऋण प्रदान करने के संबंध में चर्चा कर रही थीं। जोधपुर एवं अजमेर डिस्काम के प्रबंध निदेशक, सभी अधीक्षण अभियन्ता (ओ एण्ड एम) वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से इस बैठक से जुड़े। चेयरमैन डिस्कॉम्स ने बैंकर्स से भारत सरकार की ओर से बैंकों को इस संबंध में समय-

समय पर जारी दिशा-निर्देशों की पालना करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इन निर्देशों की निचले स्तर तक पालना सुनिश्चित की जाए। अनावश्यक दस्तावेज, गारंटर चैक, पट्टा, प्रक्रिया आदि के कारण आवेदनों को अटकाया नहीं जाए। उन्होंने सभी अधीक्षण अभियंताओं को जिला कलेक्टरों के स्तर पर होने वाली जिला स्तरीय बैंकर्स कमेटी की बैठक में भी आसान ऋण प्रक्रिया सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि पीएम सूर्यघर योजना के अन्तर्गत भारत सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा योजना के पोर्टल में 30 बैंकों को ऋण प्रदान करने की प्रक्रिया से जोड़ा गया है। प्रदेश में कुल आवेदकों में से सर्वाधिक 47 प्रतिशत आवेदक ऋण के लिए भारतीय स्टेट बैंक के समक्ष आवेदन करते हैं। इसके पश्चात् पंजाब नेशनल बैंक से 12 प्रतिशत, बैंक ऑफ बड़ोदा से 11 प्रतिशत तथा राजस्थान ग्रामीण बैंक से 8 प्रतिशत आवेदक लोन के लिए आवेदन करते हैं। यह भी बताया गया कि रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र की प्रोजेक्ट लागत का 90 प्रतिशत तक ऋण सुविधा देय है। जिस पर वर्तमान में 6 प्रतिशत की दर से ब्याज लिया जा रहा है। बैंक प्रतिनिधियों ने इंस्टॉलेशन में अपनी ओर से पूर्ण सहयोग के लिए डिस्कॉम्स को पूर्ण आश्वस्त किया।

ग्राम उत्थान शिविरों की समीक्षा बैठक

— 31 लाख से अधिक ग्रामीणों तक पहुंची योजनाओं की सौगात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास की अध्यक्षता में शुक्रवार को पृथ्वीराज ऑडिटोरियम, कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में प्रगतिशील किसानों के साथ संवाद एवं ग्राम उत्थान शिविरों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में कृषि नवाचार, ग्रामीण विकास और बजट प्रावधानों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य सचिव ने बताया कि वर्ष 2026-27 की बजट घोषणा में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के लिए 1 लाख 19 हजार 408 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिसमें से 69 हजार करोड़ रुपये समेकित निधि से व्यय किए जाएंगे। यह गत वर्ष की तुलना में 7.59 प्रतिशत अधिक है। राज्य की जीडीपी में कृषि बजट की हिस्सेदारी 5.55 प्रतिशत है, जो सरकार की कृषि एवं ग्रामीण विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर ग्राम-2026 को ध्यान में रखते हुए प्रदेश के 2 हजार 770 गिरदावर सर्किलों में ग्राम उत्थान शिविर आयोजित किए गए। इन शिविरों में 31 लाख 57 हजार से अधिक ग्रामीणों ने भाग लेकर केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं लाभ प्राप्त किया। शिविरों में विभिन्न योजनाओं के आवेदन-पत्र तैयार करवाए गए तथा पूर्व में दिए गए आवेदनों की वर्तमान स्थिति से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव ने डच रोज की खेती, खीरा, रंगीन शिमला मिर्च, संरक्षित खेती, मधुमक्खी पालन, मशरूम उत्पादन, मोती पालन एवं एकीकृत खेती मॉडल अपनाने वाले प्रगतिशील किसानों से संवाद किया। किसानों की सफलता की कहानियों ने उपस्थित जनों को प्रेरित किया और मुख्य सचिव ने नवाचार को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। मुख्य सचिव ने कहा कि ग्राम उत्थान शिविर केवल योजनाओं का वितरण मंच नहीं, बल्कि प्रशासन और गांवों के बीच मजबूत संवाद का माध्यम हैं। इससे ग्रामीण सहभागिता बढ़ेगी और राजस्थान के समग्र विकास की दिशा में एक सशक्त आधार तैयार होगा। प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल ने बताया कि शिविरों में 13 प्रमुख विभागों की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। कृषि विभाग द्वारा 2 लाख 7 हजार से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए। 6,135 से अधिक ग्राम पंचायतों में पॉलीहाउस स्थापना हेतु आवेदन तैयार किए गए। मुख्यमंत्री कृषक साथी सहायता योजना के अंतर्गत 3,838 किसानों के आवेदनों का निस्तारण किया गया। साथ ही 3,828 किसान विश्राम स्थल निर्माण प्रस्ताव भी तैयार करवाए गए। शासन सचिव पशुपालन, मत्स्य पालन एवं गोपालन डॉ. समित शर्मा ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना के तहत 1 लाख 83 हजार से अधिक पशुओं का पंजीकरण कर स्वास्थ्य प्रमाण पत्र जारी किए गए। इसके अलावा 1 लाख 54 हजार क्लासिकल स्वाइन फीवर टीकाकरण, 10 हजार से अधिक कृत्रिम गर्भाधान, 50 हजार फर्टिलिटी किट वितरण तथा 9 लाख 82 हजार पशुओं को प्राथमिक उपचार एवं कृमिनाशक दवाएं दी गईं। शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार सहकारिता विभाग श्रीमती आनंदी ने बताया कि सहकारिता विभाग द्वारा 10 लाख 24 हजार से अधिक किसानों को ऋण योजनाओं की जानकारी दी गई। 56 हजार किसान क्रेडिट कार्ड आवेदन प्राप्त हुए तथा 10,209 नए कस्टम हायरिंग सेंटर स्थापना के प्रस्ताव तैयार किए गए। बैठक में संबंधित विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख शासन सचिव, शासन सचिव,विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, नाबार्ड व अन्य बैंकों के प्रतिनिधि एवं प्रगतिशील कृषक उपस्थित रहे।

हजरत ख्वाजा हाजी सूफी बिस्मिल का उर्स मनाया जाएगा

-महफिले कव्वाली में पहुंचेंगे दूर-दूर से हाजी बिस्मिल के मुरीद

मनोहरपूर (रॉयल पत्रिका)। हजरत शाह मोहम्मद उमर रजा रूही रह. के खलीफा-ए-खाश हजरत क़िब्ला आलम हाजी सूफी शाह मोहम्मद अब्दुल मजीद बिस्मिल रूही कातिल शकूरी रह. का सालाना 25 वां उर्स मुबारक 14 फरवरी 2026 शनिवार सूफी बिस्मिल चौक मोहल्ला नारवान खलील शाह दरगाह के पास सीकर शरीफ में बड़ी अकीदत धूमधाम के साथ मनाया जाएगा। उर्स मुबारक में हिंदुस्तान के अलग-अलग राज्यों से हाजी बिस्मिल के मुरीदेन शिरकत करेंगे जोधपुर और कोठिया भीलवाड़ा से बस द्वारा मुरीदों का जत्था आएगा। उर्स मुबारक खानकाहे बिस्मिल के सज्जादा नशीन हजरत सूफी मोइनुद्दीन जिलानी सीकर वाले पीर साहब की सरपरस्ती में होगा। हजरत सूफी मोइनुद्दीन जिलानी ने बताया कि सुबह 9 बजे कुरान ख्वानी दोपहर 2.30 बजे झंडे की रस्म के साथ उर्स की शुरुआत होगी। दोपहर 3.30 बजे चद्दर की महफिल होगी कव्वाली के साथ बाद नमाज असर मजार शरीफ पर चद्दर पेश की जाएगी। 6 बजे लंगर पर नियाज़ होगी आए हुवे मेहमानों में लंगर तकसीम किया जाएगा। बात 10 बजे महफ़िले कव्वाली होगी जिसमें मोहम्मद इकबाल कादरी सीकर, मोहम्मद हनीफ कादरी सीकर, मोहम्मद फारूक चिश्ती सीकर ओर हाजी टीमू गुलफाम जयपुर अपना सूफियाना कलाम पेश करेंगे। सुबह 4 बजे रंग की महफिल के साथ उर्स मुबारक सम्पन्न होगा। सूफी जिलानी साहब ने सभी मुरीदों अकीदत मंदो को उर्स में आने की गुजारिश की है।

क्रेता–विक्रेता सम्मेलन में हुआ आंवला उत्पादन और मूल्य संवर्धन की संभावनाओं पर मंथन

- सम्मेलन में जिले के 700 से अधिक किसान, क्रेता एवं उद्यमियों ने की शिरकत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार पंच गौरव योजना के तहत आंवला उत्पादन, मूल्य संवर्धन और किसानों को सशक्त बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार को दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंधन संस्थान में जिला स्तरीय आंवला क्रेता–विक्रेता सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का सफल आयोजन किया गया। पंच गौरव योजना के अंतर्गत "एक जिला–एक उपज" आंवला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित यह कार्यक्रम जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशन में संपन्न हुआ। सम्मेलन में जयपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से 700 से अधिक किसान, एफपीओ प्रतिनिधि, व्यापारी, प्रसंस्करण इकाइयों के संचालक एवं कृषि उद्यमी शामिल हुए। कार्यक्रम ने आंवला उत्पादकों को सीधे क्रेताओं से संवाद का अवसर प्रदान किया, जिससे विपणन के नए मार्ग प्रशस्त हुए। कार्यक्रम के दौरान जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी एवं कृषि आयुक्त श्रीमती शुभम चौधरी ने किसानों से संवाद करते हुए आंवला उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने किसानों को आधुनिक तकनीकों को अपनाने, प्रसंस्करण एवं ब्रांडिंग पर ध्यान देने तथा बाजार की मांग के अनुरूप गुणवत्ता उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित किया। मुख्य आयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि सम्मेलन में जयपुर जिले की पंच गौरव उपजों की आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई। स्टॉलों पर पारंपरिक कृषि उत्पादों के साथ उनके मूल्यवर्धित स्वरूप का प्रदर्शन किया गया, जिससे स्थानीय उत्पादों की ब्रांडिंग और बाजार विस्तार को बढ़ावा मिला। उपनिदेशक उद्यान हरलाल सिंह बिजारनियां ने जानकारी दी कि प्रदर्शनी में आंवला से निर्मित मुरब्बा, कैंडी, जूस, चूर्ण एवं औषधीय उत्पादों के साथ आधुनिक कृषि उपकरण, प्रसंस्करण तकनीक, पैकेजिंग, भंडारण एवं गुणवत्ता संवर्धन से जुड़े नवाचारों का प्रदर्शन किया गया। उन्होंने जयपुर जिले में आंवला उत्पादन को प्रोत्साहित करने हेतु संचालित योजनाओं की जानकारी भी दी। कार्यक्रम में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. योगेश कुमार शर्मा, सेवानिवृत्त प्रोफेसर बी.डी. यादव, सहायक निदेशक राम सिंह शेखावत तथा कृषि अधिकारी सांवरमल यादव ने आंवले की उन्नत कृषि विधियों, पोषक गुणों एवं उत्पादन बढ़ाने की वैज्ञानिक तकनीकों पर विस्तृत जानकारी दी तथा किसानों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस अवसर पर उद्यानिकी विभाग द्वारा आंवले की खेती, उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन संभावनाओं पर आधारित एक लघु फिल्म का भी प्रसारण किया गया, जिसे किसानों ने सराहा। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड सहित कृषि एवं उद्यानिकी विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे। यह सम्मेलन न केवल किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक सशक्त कदम सिद्ध हुआ, बल्कि कृषि आधारित उद्यमिता को प्रोत्साहित करते हुए जयपुर जिले को मूल्य संवर्धन एवं कृषि नवाचार के क्षेत्र में नई पहचान दिलाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

प्रदेश सरकार राज्य में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गंभीरता से कार्य कर रही है- उप मुख्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। विधानसभा के दौरान उप मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि प्रदेश सरकार सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए गंभीरता से काम कर रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री आयुष्मान दुर्घटना बीमा योजना के तहत सड़क हादसे में घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपये और मृत्यु होने पर 5 लाख रुपये की सहायता दी जाती है। उन्होंने सदन को बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ व्यापक अभियान चलाया जा रहा है। वर्ष 2025 में पुलिस द्वारा पूरे प्रदेश में 27.61 लाख चालान किए गए। इनमें तेज गति के 12.06 लाख, बिना हेलमेट 5.23 लाख, बिना सीट बेल्ट 1.96 लाख और नशे में वाहन चलाने के 69 हजार मामले शामिल हैं। यह संख्या वर्ष 2024 की तुलना में 10.13 लाख अधिक है। परिवहन विभाग ने भी वर्ष 2025 में 6.95 लाख चालान बनाए हैं। कोटा जिले के आंकड़े देते हुए उन्होंने बताया कि तेज गति के 1,14,525, बिना हेलमेट 19,360, बिना सीट बेल्ट 9,457 और नशे में वाहन चलाने के 3,881 चालान दर्ज किए गए। लाडपुरा क्षेत्र में स्कूलों के आसपास भारी वाहनों और ओवरस्पीड मामलों पर विशेष चेकिंग के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन अधिनियम 1988 के तहत सड़क सुरक्षा मजबूत करने के लिए विभिन्न स्तरों पर समितियां गठित हैं। जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति नियमित बैठकें कर स्थानीय समस्याओं पर निर्णय लेती है। उपखंड अधिकारी स्तर पर भी समितियां काम कर रही हैं। सांसद की अध्यक्षता में संसदीय सड़क सुरक्षा समिति और पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में बाल वाहिनी समिति भी सक्रिय हैं, जो स्कूल वाहनों की सुरक्षा और जनजागरूकता पर ध्यान देती हैं। उन्होंने बताया कि जहां किसी सड़क दुर्घटना में तीन या अधिक मौतें होती हैं, वहां पुलिस, परिवहन और सड़क विभाग की संयुक्त टीम द्वारा निरीक्षण का प्रावधान है। पिछले तीन वर्षों में लाडपुरा क्षेत्र में ओवरस्पीड से जुड़ी 15 दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें 16 लोग घायल और एक व्यक्ति की मृत्यु हुई। सरकार का लक्ष्य समन्वित प्रयासों से सड़क हादसों में लगातार कमी लाना है।

साँगानेर जोन में पशु प्रबंधन शाखा की बड़ी कार्रवाई

-50 किलो अवैध मीट माँस मौके पर किया जब्त
-3 अवैध मीट मांस की दुकानों को किया सीज

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार उपयुक्त पशु प्रबंधन सीमा शर्मा के नेतृत्व में गुरुवार को पशु प्रबंधन शाखा की टीम द्वारा अवैध मीट, माँस की दुकानों पर कार्रवाई करते हुये साँगानेर जोन में कागजी मोहल्ले में अवैध मीट, माँस की दुकानदारों पर कार्रवाई करते हुए 50 किलो मीट माँस मौके पर जब्त कर 3 दुकानों को सीज किया। डॉ. राकेश कलोरिया ने बताया कि पशु प्रबंधन शाखा की टीम द्वारा साँगानेर जोन में कागजी मोहल्ले में अवैध मीट, माँस की दुकानों पर कार्रवाई की गई जिसके दौरान भारी भीड़ ने निगम की टीम के साथ अभद्रता एवं

मारपीट करने पर उतारू हो गए। इस दौरान डॉ. राकेश कलोरिया एवं स्थानीय थाने की पुलिस ने तुरंत स्थिति को सभालकर अवैध मीट मांस की दुकानों पर कार्रवाई को अंजाम दिया इस दौरान दुकानों से 50 किलो मीट मांस जप्त कर रासायनिक दृष्टि से निस्तारण किया गया 3 मीट मांस की दुकानों पर कार्रवाई करते हुए अस्थाई ताला लगाकर बंद किया गया।

नेशनल अर्बन रियल एस्टेट कॉन्क्लेव में राजस्थान की अफोर्डेबल हाउसिंग एवं स्किलिंग योजनाओं को मिली सराहना

-नेशनल अर्बन रियल एस्टेट कॉन्क्लेव में जयपुर की शहरी मोबिलिटी और कॉरिडोर आधारित विकास रणनीति प्रस्तुत

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नई दिल्ली में नारेडको (नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय अर्बन रियल एस्टेट कॉन्क्लेव में राजस्थान सरकार की अफोर्डेबल हाउसिंग, गुणवत्ता सुधार एवं स्किल विकास योजनाओं को व्यापक सराहना मिली। कॉन्क्लेव में राजस्थान आवास मंडल की आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, ने आवास निर्माण में गुणवत्ता, समयबद्ध डिलीवरी और श्रमिक प्रशिक्षण को प्राथमिकता बताते हुए बोर्ड की प्रमुख पहलों को रेखांकित किया, जबकि सतत विकास सत्र में जयपुर विकास प्राधिकरण के सचिव निशांत जैन ने ट्रांजिट आधारित शहरी विकास को आने वाले समय का निर्णायक मॉडल बताया। राजस्थान हाउसिंग बोर्ड की कमिश्नर डॉ. रश्मि शर्मा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज इस कॉन्क्लेव में हिस्सा बनकर मुझे अत्यंत हर्ष हो रहा है। राजस्थान आवास मंडल, जो एक ऑटोनोमस संस्थान है, ने विगत वर्षों में अभूतपूर्व कार्य किए हैं और अपने दायित्वों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राज्य के अफोर्डेबल हाउसिंग सेक्टर में मंडल ने उल्लेखनीय योगदान दिया है। हम न केवल विभिन्न आय वर्गों के लिए गुणवत्तापूर्ण आवास विकसित कर रहे हैं, बल्कि उन्हें समयबद्ध तरीके से लोगों तक पहुँचाने के लिए भी निरंतर प्रयासरत हैं। यह जानकर प्रसन्नता होती है कि हमने

नए रिक्रूट्स के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए हैं और मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने भी स्किलिंग को बढ़ावा देने हेतु निर्देश दिए हैं, स्किलिंग हर स्तर पर आवश्यक है। क्वालिटी चेक्स हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और हमें इस पर गर्व है। हमने अपने पेमेंट सिस्टम को भी क्वालिटी से लिंक किया है, ताकि उच्च मानकों को सुनिश्चित किया जा सके। एक ऑटोनोमस बॉडी होने के नाते हम चाहते हैं कि लोगों का हम पर विश्वास सदैव बना रहे। हमारा उद्देश्य सिर्फ मकान बनाना नहीं, बल्कि लोगों के सपनों का घर बनाना है। इसी क्रम में सतत विकास और ट्रांजिट ओरियंटिड डेवलपमेंट पर आयोजित परिचर्चा में भाग लेते जयपुर डेवलपमेंट अथॉरिटी के सचिव निशांत जैन ने शहरी विकास में ट्रांजिट और कॉरिडोर आधारित एप्रोच पर प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने राजस्थान सरकार द्वारा हाल ही में जारी की गई राजस्थान टीओडी नीति की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा की और बताया कि राज्य सरकार जयपुर मेट्रो फेज़-2 के साथ-साथ ट्रांजिट उन्मुख विकास पर बल दे रही है। साथ ही उन्होंने जयपुर में हाल के दिनों में जेडीए के ट्रैफिक कंट्रोल बोर्ड के माध्यम से शहरी मोबिलिटी के लिए अपनाई जा रही कॉरिडोर आधारित एप्रोच का मॉडल भी प्रस्तुत किया। नारेडको के प्रेसिडेंट प्रवीण जैन ने अपने वेलकम एड्रेस में बताया कि रियल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन सेक्टर को ऐसी पॉलिसी की ज़रूरत है जो इंडस्ट्री को सपोर्ट करें ताकि अगले कुछ सालों में नेशनल GDP में इसका कंट्रीब्यूशन दोगुना हो जाए और भारत 2047 तक अपनी मनचाही मंज़िल "विकसित भारत" तक पहुँच सके। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रियल एस्टेट और कंस्ट्रक्शन सेक्टर में बदलाव तभी आएगा जब शहरी भारत के डेवलपमेंट पर भी उतना ही फोकस किया जाएगा ताकि इसका फायदा गांव तक पहुँचे जहाँ असली भारत बसता है।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

सरकार की खेल विरोधी नीतियों व मनरेगा कटौती के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेलकूद प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी बारां के जिलाध्यक्ष हंसराज मीणा के नेतृत्व में खिलाड़ियों एवं खेल प्रेमियों ने अतिरिक्त जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में भाजपा सरकार की कथित खेल विरोधी नीतियों, मनरेगा योजना में की गई कटौती तथा प्रदेश में बढ़ते नशे के प्रचलन पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। खेल प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी ने कहा कि मनरेगा योजना ग्रामीण गरीबों, मजदूरों, किसानों और बेरोजगार युवाओं के लिए जीवन रेखा है। बजट और कार्य दिवसों में कटौती से लाखों परिवारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी और पलायन बढ़ेगा तथा कमजोर वर्गों की आर्थिक स्थिति और दयनीय होगी। उन्होंने कहा कि कई ग्रामीण खिलाड़ी भी मनरेगा के माध्यम से अपनी आजीविका चलाते हुए खेल गतिविधियों से जुड़े रहते हैं, ऐसे में कटौती का सीधा असर उनके खेल भविष्य पर पड़ेगा। कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ ने आउट ऑफ टर्न नीति के तहत

नियुक्त खिलाड़ियों की नौकरी पर संकट, नई नियुक्तियों पर रोक, स्टेडियम निर्माण कार्यों को ठप करने, खेल सुविधाओं की कमी तथा कोचों की कमी का मुद्दा भी उठाया। ज्ञापन में बताया गया कि पूर्व कांग्रेस सरकार द्वारा 76 कोचों की भर्ती की गई थी, जबकि प्रस्तावित 128 कोचों की भर्ती को वर्तमान सरकार ने निरस्त कर दिया। वर्तमान में कई खेल अधिकारी अनुपस्थित या सीमित क्षमता में कार्य कर रहे हैं, जिससे प्रशिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है। खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश सचिव सत्येन्द्र कुमार गोयल ने प्रदेश में युवाओं में बढ़ते नशे के प्रचलन को अत्यंत चिंताजनक बताते हुए कहा कि खेल गतिविधियों को बढ़ावा देने के बजाय उपेक्षित करने से युवा गलत दिशा की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने सरकार से खेल सुविधाएं बढ़ाने और नशे के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग की। यदि मांगों पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो प्रदेश अध्यक्ष अमीन पठान के नेतृत्व में हजारों खिलाड़ियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ लोकतांत्रिक तरीके से विधानसभा सत्र के दौरान घेराव कर बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान एडवोकेट भरत भूषण सक्सेना, एडवोकेट असलम भारती, कांग्रेस कमेटी के जिला उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी, अशरफ देशवाली, सत्यनारायण भूमलिया, पूर्व चेयरमैन नगर पालिका मांगरोल कौशल सुमन, सेवादल के जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव, शहर अध्यक्ष प्रशांत भारद्वाज, गिरिराज शर्मा, यूथ कांग्रेस पूर्व जिलाध्यक्ष शरद शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष अल्पसंख्यक विभाग शाहीद कुंडी, नासिर मिर्जा, पूर्व सचिव रईस फेजी, पीयूष सोनी, विजय बैरवा, महेंद्र कुमार योगी, अजय धाकड़, ब्रजेश डागर, आजाद राइन, सुरेश सुमन, मों आरिफ सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

बींझबायला उपतहसील के बाहर भूख हड़ताल समाप्त, प्रशासन से वार्ता के बाद बनी सहमति

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले के बींझबायला कस्बे में उपतहसील कार्यालय के बाहर अतिक्रमण को लेकर चल रहा धरना और युवक की भूख हड़ताल आखिरकार प्रशासनिक हस्तक्षेप के बाद समाप्त हो गई। वार्ड नंबर 7 से जुड़े इस मामले में पिछले कुछ दिनों से युवक उपतहसील के बाहर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर बैठा था। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन मौके पर पहुंचा। वार्ता के दौरान बीडीओ रामदेव जांगिड़ और उप-तहसीलदार अंकित मिमाणी ने धरनारत युवक और ग्रामीणों से बातचीत की। दोनों पक्षों के बीच विस्तृत चर्चा के बाद सहमति बनी। जानकारी

के अनुसार विवादित भूमि और विभिन्न अहातों की पट्टा आधार पर पैमाइश करवाई गई। ग्राम पंचायत द्वारा मौके पर निशानदेही भी की गई, जिससे स्थिति स्पष्ट हो सकी। प्रशासन ने निष्पक्ष कार्रवाई और नियमानुसार समाधान का आश्वासन दिया। प्रशासनिक आश्वासन के बाद युवक ने अपना धरना समाप्त करने पर सहमति जताई। अधिकारियों की मौजूदगी में युवक को जूस पिलाकर उसकी भूख हड़ताल समाप्त करवाई गई। स्थानीय लोगों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन आगे भी इसी तरह तत्परता दिखाते हुए क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान करेगा, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति उत्पन्न न हो।

करोड़ों बस्तियां उजड़ी-उजड़ कर बस गई तुझ में तेरी विरानी नहीं जातीं ए-शहर-ए-ख़ामोशा

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर पूरानी कब्रिस्तान में चल रहे सफाई अभियान जो डॉ. एफ एच गोरी सीनियर फिजिशियन की प्रेरणा से एवं देखरेख में चल रहा है। जिसे आज पुरानी कब्रिस्तान जाकर, इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी मेंबर्स द्वारा देखा और अवलोकन किया गया, सभी ने यही कहा कि "तबियत खुश हो गई" और कहां की कब्रिस्तान की साफ सफाई और रखरखाव बेहतरीन तरीके से हुआ है सभी ने सराहा कुछ रोज पहले शहर इमाम सैयद मोहम्मद अनवार नदीम उल कादरी ने भी कब्रिस्तान का अवलोकन किया था एवं डॉ. गौरी और इमाम साहब ने मुस्लिम समाज से अपील भी की और सहयोग भी किया। आज इस मौके पर नायब शहर इमाम सैयद मोहम्मद अबरार अहमद क़ादरी एवं शहर काजी मौलाना अहमद अली शाह मौजूद रहे और कहा कब्रिस्तान शहर-ए-खामोशा है। जो हर मोमिन की आखरी आराम-गाह है। इसलिए हर मोमिन को चाहिए कि जब वक़्त मिले तो कब्रिस्तान जरूर जाएं, और वहां जाकर साफ-सफाई करें और अपने मुताअल्लिकीन मरहूमीन और तमाम मोमिनीन- मोमिनात मरहूमीन के लिए मगफिरत और जन्नत में बुलंद दरजात के लिए दुआ करें। कब्रिस्तान

जाने से इंसान को अपनी आखरत और अपनी मौत याद आती है। इसी लिए हदीस शरीफ में कब्रिस्तान जाने का हुक्म फ़रमाया गया है। इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसायटी के अध्यक्ष शौकत खान झारिया रिटायर्ड. एडिशनल कमिश्नर, अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, हाजी याकूब थीम समाज सेवी, रशिद खान मोयल शिक्षाविद्, रिटायर्ड प्रिंसिपल नजीर खान, उस्मान अंसारी, आरिफ काजी, हारून रशीद लुहार आदि मौजूद रहे। खान ने कहा अभी जो पुरानी कब्रिस्तान में साफ-सफाई और रख-रखाव की मुहिम जारी है, यह बहुत ही काबिल-ए-तारीफ़ मुहिम है। लिहाज़ा कब्रिस्तान में जाके इस मुहिम में जरूर हिस्सा लें।

खेल विरोधी नीति ओर बढ़ते नशे की लत को लेकर खेल प्रकोष्ठ ने दिया ज्ञापन

कोटा (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अमीन पठान के निर्देशानुसार कोटा जिलाध्यक्ष सोनू अब्बासी के नेतृत्व में मनरेगा कटौती, खिलाड़ियों का टीडीए बंद करने और बढ़ते नशे के विरोध में मुख्यमंत्री के नाम कोटा के अतिरिक्त जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। इस मौके पर ज्ञापन देने वालों में प्रदेश सचिव विनीत स्टोन, संदीप सोरल, जॉनी राईन, तन्वीर, सोहेल, मुजाहिद, जकीउद्दीन, अब्बास भाई, अशफाक भाई मौजूद रहे।

घमुड़वाली थाना क्षेत्र में फिर सक्रिय चोर गिरोह:

हुणतपुरा के पास किसानों के खेतों में बड़ी चोरी, सोलर तार और बैटरियां ले उड़े बदमाश

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/घमुड़वाली (रॉयल पत्रिका)। घमुड़वाली थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। ताजा मामला हुणतपुरा गांव के पास का है, जहां गंगनहर के किनारे स्थित किसानों के खेतों में देर रात अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। जानकारी के अनुसार बदमाशों ने खेतों में बने कमरों के ताले तोड़कर वहां रखी सोलर तार और बैटरियां चोरी कर लीं। बताया जा रहा है कि चोरों ने एक ही रात में कई खेतों को निशाना बनाया, जिससे किसानों में भारी रोष व्याप्त है।

एक साथ कई खेतों में वारदात

ग्रामीणों के मुताबिक, चोर योजनाबद्ध तरीके से आए थे। उन्होंने पहले खेतों में बने कमरों के ताले तोड़े और फिर सोलर सिस्टम से जुड़ी कीमती तारें व बैटरियां खोलकर अपने साथ ले गए। सुबह जब किसान खेतों पर

पहुंचे तो कमरों के टूटे ताले और बिखरा सामान देखकर उनके होश उड़ गए।

किसानों को हजारों का नुकसान

सोलर बैटरियां और तांबे की तारें महंगी होने के कारण किसानों को हजारों रुपये का नुकसान हुआ है। कई किसानों ने बताया कि पहले भी इस क्षेत्र में इसी तरह की वारदात हो चुकी है, लेकिन चोर अब तक पुलिस की पकड़ से बाहर हैं।

ग्रामीणों में दहशत, सुरक्षा की मांग

लगातार हो रही चोरियों से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। किसानों ने रात में गश्त बढ़ाने और क्षेत्र में पुलिस निगरानी मजबूत करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही चोरों को नहीं पकड़ा गया तो वे आंदोलन करने को मजबूर होंगे। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच तेज कर दी है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में फुटबाल वितरण कार्यक्रम आयोजित

सरदारशहर (रॉयल पत्रिका)। पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय में शुक्रवार को शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार एवं फीफा के सहयोग से F4S कार्यक्रम के तहत फुटबाल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के 25 विद्यालयों के शारीरिक शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को फुटबाल प्रदान की गई। इस दौरान डीईओ माध्यमिक किशनलाल गहनोलिया ने खेल गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन हेतु प्रोत्साहित किया। प्राचार्य हरीश कुमार मीणा ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान एसीबीईओ सुभाष सोनगरा, डॉ. राजेश गुप्ता, मोहर सिंह, मोहम्मद जावेद खान सहित अन्य उपस्थित रहे।

ना माने तो ये सरकार भी उसी तरह काले पन्ने बन जाएगी इतिहास के - शेखावत

-राजस्थान के बजट में राजस्थानी सिनेमा, साहित्य और भाषा की अनदेखी दुर्भाग्य की बात

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। फिल्म निर्माता, निर्देशक और लेखक राजेन्द्रसिंह शेखावत ने राजस्थान के बजट में राजस्थानी सिनेमा, साहित्य और भाषा की अनदेखी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। सारी उम्मीदों और विश्वास पर पानी फेर दिया है। शेखावत ने बजट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि बाकी तो ठीक है परन्तु खुद राजस्थान के बजट में राजस्थानी सिनेमा, साहित्य और भाषा का कहीं जिक्र नहीं किया गया है। इससे बड़े दुर्भाग्य की बात और क्या हो सकती है। शेखावत ने गहरी नाराज़गी जताते हुए कहा कि क्या ये अनदेखी सरकार पर भारी नहीं पड़ेगी? इस संबंध में पीएम

नरेंद्र मोदी जी को क्या जवाब देगी राजस्थान सरकार? होना तो ये चाहिए था कि इस बजट में कांग्रेस सरकार द्वारा वंचित रखी गई केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड से प्रमाण पत्र प्राप्त राजस्थानी फीचर फिल्मों को अनुदान राशि जारी करने और ढाई साल में आई अन्य राजस्थानी फिल्मों को अनुदान राशि जारी करने की घोषणा की जाती। साहित्य अकादमियों को बजट दिया जाता और राजस्थानी को राज भाषा बनाने की घोषणा होती। सरकार को मोदीजी का कहना मानना चाहिए, मोदीजी कह चुके हैं कि वंचितों को लाभान्वित करें, फिर सरकार इन वंचितों को क्यों भूल गई। इतिहास गवाह है कि राजस्थानी कला, साहित्य, भाषा और संस्कृति को उसका हक नहीं देने वाली सरकारों का कोई अतापता भी नहीं रहता है। पहले वाली सरकारों ने जो भूल की, वही भूल ये सरकार कर रही है। शेखावत ने कहा कि हम तो कह सकते हैं, माने तो सबके लिए ठीक ना माने तो ये सरकार भी उसी तरह काले पन्ने बन जाएगी इतिहास के।

जोशी को विभिन्न सामाजिक संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

मोहम्मद अली पठान

चुरू (रॉयल पत्रिका)। रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी परमेश्वर लाल जोशी के स्वर्गवास पर विभिन्न सामाजिक संगठनो ने चूरू नगर परिषद के पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया की अध्यक्षता में नई सड़क पर एक शोकसभा आयोजित कर जोशी को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर महनसरिया ने कहा कि स्वर्गीय परमेश्वर लाल जोशी शिक्षा के साथ-साथ सामाजिक एवं व्यवहारिक ज्ञानी भी थे। वह एक मिलनसार व सबके दुख तकलीफ में काम आने वाले व्यक्ति थे जिनकी भरपाई नहीं हो सकती। इस अवसर पर ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष कालूराम महर्षि, अग्रवाल समाज के अध्यक्ष काशीराम क्याल, मीणा समाज के जिला अध्यक्ष भंवरलाल मीणा रिटायर्ड स्टेशन मास्टर,

जाट महासभा के जिला अध्यक्ष सोहनलाल फगेडिया रिटायर्ड,ए सी पीडब्ल्यूडी विभाग, मोहम्मद अयूब खान रिटायर्ड अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, कायम खानी समाज के जिला अध्यक्ष मुंशी खान, जैन समाज के ताराचंद बाठिया, पेंशनर समाज के पूरणमल सोनी, खाद्य व्यापार मंडल के मनोज महनसरिया एडवोकेट, कपड़ा व्यापार मंडल के बालकिशन राजगढ़िया, टैक्स बार के सुनील शर्मा एडवोकेट, गुर्जर समाज के सरवन गुर्जर, डॉक्टर पार्थ शर्मा, वैद्य गोविंद प्रसाद शर्मा, रामप्रसाद शर्मा, केपी जोशी, गिरधारी जोशी, विनोद जोशी, विमल जोशी, ईश्वरी प्रसाद हारित, कन्हैया लाल शर्मा सहित उपस्थित जनों ने स्वर्गीय जोशी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कि।

वरिष्ठ एडवोकेट एवं पत्रकार बनवारीलाल दीक्षित का निधन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। वरिष्ठ एडवोकेट एवं पत्रकार बनवारी लाल दीक्षित का शुक्रवार को निधन हो गया है। वे 88 वर्ष के थे और कई दिनों से बीमार चल रहे थे। दीक्षित का जयपुर में उपचार चल रहा था। आज शाम को चूरू में उनका अंतिम संस्कार किया गया। वे अपने पीछे पुत्र नरेंद्र दीक्षित और डॉ. योगेश दीक्षित, पौत्र देवेन दीक्षित, भूपेश दीक्षित पोत्री अमया विक्रमा दीक्षित सहित भरापूरा परिवार छोड़कर गए हैं। बनवारी लाल दीक्षित के निधन से शहर में शोक की लहर दौड़ गई। दीक्षित के अंतिम संस्कार में सामाजिक कार्यकर्ता गिरधारी लाल तंवर, एडवोकेट दाना राम शर्मा, युवक के संपादक राहुल शर्मा, पत्रकार योगेंद्र वर्मा योगी, यूथ कांग्रेस के मनीष कुमावत, निर्मल इंदौरिया, अनीश गोरी, दिवाकर सहल, मुरारी लाल शर्मा, मोहम्मद अली पठान, मंगल चंद

महर्षि, अमित पंवार, सुदर्शन इंदौरिया, सुरेश कुमार धूत, रोहित दीक्षित, अशोक कुमार, फिल्म निर्माता निर्देशक राजेन्द्रसिंह शेखावत सहित दीक्षित के परिजन, रिश्तेदार और नागरिकगण शामिल हुए। पंडित उमाशंकर व्यास ने मंत्रोच्चार किया। पूर्व सभापति गोविंद महनसरिया आदि सहित कई लोगों ने उनके घर जाकर शोक व्यक्त किया। सोशल मीडिया पर बड़ी संख्या में लोगों ने दुःख व्यक्त किया है।

बींझबायला बस स्टैंड पर दिनदहाड़े गुंडागर्दी

-लोहे की रॉड से युवक पर जानलेवा हमला, गंभीर हालत में गंगानगर रेफर

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर घमुड़वाली (रॉयल पत्रिका)। श्रीगंगानगर जिले के घमुड़वाली थाना क्षेत्र में सोमवार को दिनदहाड़े गुंडागर्दी का नंगा नाच देखने को मिला। बींझबायला बस स्टैंड पर एक युवक पर तीन लोगों ने लोहे की रॉड से हमला कर दिया। अचानक हुए इस हमले से बस स्टैंड पर अफरा-तफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए इधर-उधर भागते नजर आए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमलावरों ने युवक को घेरकर उसके सिर पर लोहे की रॉड से वार किए। हमले में युवक के सिर में गंभीर चोट आई और वह मौके

पर ही लहूलुहान होकर गिर पड़ा। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तुरंत बींझबायला के स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उसे श्रीगंगानगर रेफर कर दिया। घटना दिनदहाड़े बस स्टैंड जैसे सार्वजनिक स्थान पर होने से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोगों का कहना है कि यदि पुलिस की गश्त नियमित होती तो इस तरह की वारदात को रोका जा सकता था। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि खबर लिखे जाने तक घमुड़वाली पुलिस थाने में मामला दर्ज नहीं हुआ था। इससे लोगों में पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी देखने को मिल रही है। स्थानीय नागरिकों ने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस मामले की जानकारी जुटाने में लगी है, लेकिन दिनदहाड़े हुई इस वारदात ने कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पदमपुर के अरूट जी महाराज चौक पर ट्रैफिक व्यवस्था बेनकाब, जाम में फंसी एम्बुलेंस

विनोद सोखल

श्रीगंगानगर/पदमपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर के सबसे व्यस्त माने जाने वाले अरूट जी महाराज चौक पर मंगलवार को ट्रैफिक व्यवस्था पूरी तरह बेनकाब हो गई। मुख्य मार्ग पर ऐसा भीषण जाम लगा कि जिंदगी बचाने निकली एम्बुलेंस भी ट्रैफिक के मकड़जाल में फंस गई। एम्बुलेंस में मरीज और उसके परिजन मौजूद थे। सायरन लगातार बजता रहा, लेकिन न तो रास्ता मिला और न ही कोई जिम्मेदार व्यवस्था नजर आई। चौक के इर्द-गिर्द खड़े वाहन, सड़क किनारे अतिक्रमण और लचर ट्रैफिक नियंत्रण ने आपातकालीन सेवा को भी बेबस कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जाम इतना लंबा था कि दोपहिया और चारपहिया वाहन एक-दूसरे में फंसे नजर आए। कई बार लोगों ने स्वयं आगे बढ़कर रास्ता बनाने की कोशिश की, लेकिन अव्यवस्थित पार्किंग और संकरी होती सड़क के कारण हालात काबू में नहीं आ सके। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति कोई पहली बार नहीं है। रोजाना इसी तरह चौक पर जाम लगता है, जिससे व्यापार, आमजन और आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होती हैं। लोगों ने प्रशासन से नियमित ट्रैफिक पुलिस

तैनात करने, अतिक्रमण हटाने और व्यवस्थित पार्किंग की व्यवस्था करने की मांग की है। अब सवाल यह उठता है कि जब शहर का सबसे व्यस्त चौक ही जाम से कराह रहा है, तो ट्रैफिक व्यवस्था आखिर किसके भरोसे है? क्या प्रशासन किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहा है? शहरवासियों को अब ठोस कार्रवाई और स्थायी समाधान की उम्मीद है।

रसीदपुर में विराट हिंदू सम्मेलन: सनातन धर्म की एकता पर जोर

-सैकड़ों महिला-पुरुषों ने कलश यात्रा में लिया भाग, भव्य आयोजन

शफीक अली

रसीदपुर (रॉयल पत्रिका) । रसीदपुर में विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों महिला-पुरुषों ने भाग लिया। कलश यात्रा बावड़ी वाले हनुमान जी से चलकर कुंड वाले बैग पहुंची, जहां मुख्य बाजार में भुवनेश त्रिवेदी एडवोकेट, अशोक खंडेलवाल एवं अन्य ग्रामीणों ने पुष्प वर्षा की। महिलाएं मंगल गीत गाती हुई और पुरुष झंडा लेकर बावड़ी वाले हनुमान जी से कुंड वाले बाग पहुंचे। सम्मेलन में महंत धर्मेश्वर दास, पूरणमल मीणा, पुष्पेंद्र अवस्थी, पप्पू सैनी, सुरेंद्र जांगिड़, लखन प्रजापति, महेश शर्मा, निहाल गहलोत, राजकुमार अवस्थी और महिलाओं ने भाग लिया। धर्मेश्वर दास महाराज ने सनातन धर्म की एकता पर जोर दिया और कहा कि हमें अपने धर्म और संस्कृति को बचाने के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म ही हमारी पहचान है और हमें इसे बचाने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ताओं का ग्रामीणों ने स्वागत किया।

सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने सनातन धर्म की रक्षा और एकता के लिए संकल्प लिया। सम्मेलन का आयोजन रसीदपुर के इतिहास में एक महत्वपूर्ण अवसर था, जिसने सनातन धर्म के अनुयायियों को एकजुट किया और उन्हें अपने धर्म और संस्कृति के प्रति जागरूक किया। सम्मेलन के अंत में, उपस्थित लोगों ने एक दूसरे से गले मिलकर सनातन धर्म की एकता और भाईचारे का संदेश दिया।

चूरू के हज यात्रियों का प्रशिक्षण व टीकाकरण 15 फरवरी 2026 को

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय से हज 2026 में चयनित हज यात्रियों को हज यात्रा के दौरान किये जाने वाले अरकान व विभिन्न गतिविधियों टीकाकरण एंव व्ययवस्थागत निर्देशों की जानकारी उपलब्ध करवाए जाने बाबत 15 फरवरी, 2026 को तेलियान बाड़ी में चूरू के चयनित हज यात्रियों हेतू कार्यक्रम का आयोजन किया गया है ।

हाजी युसुफ खा चौहान व हाजी फकरुदीन छींपा ने बताया है कि टीकाकरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 फरवरी, 2026 को सुबह 9:00 बजे से शूरू हो जाएगा ! हज ट्रेनर इमरान सरकेल हज का प्रशिक्षण देंगे व चूरू के चिकित्सक द्वारा टीकाकरण किया जायेगा सभी हज यात्री अपने साथ पासपोर्ट व कंवर नंबर की एक प्रति व दो पासपोर्ट साइज फोटो लेकर आना अनिवार्य है।

वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय और जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी द्वारा हेल्थ-हैक 2026 का शुभारंभ

भोपाल। वीआईटी भोपाल विश्वविद्यालय ने जॉन्स हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी , अमेरिका के सहयोग से 11 फरवरी 2026 को हेल्थ–हैक 2026 का भव्य शुभारंभ किया। दो दिवसीय इस प्रतिष्ठित आयोजन का उद्देश्य स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देना और भविष्य की स्वास्थ्य तकनीकों के लिए प्रभावी समाधान तलाशना है। इस कार्यक्रम में देश–विदेश के शिक्षाविद, शोधकर्ता और नवाचारकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन वीआईटी के चांसलर डॉ. जी. विश्वनाथन के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर वाइस प्रेसिडेंट शंकर विश्वनाथन, ट्रस्टी श्रीमती रमणी बालासुंदरम, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट श्रीमती कादंबरी एस. विश्वनाथन, प्रो वाइस चांसलर टी. बी. श्रीधरन और एक्टिंग रजिस्ट्रार श्री के. के. नायर की गरिमामयी उपस्थिति रही। उद्घाटन समारोह में पारंपरिक दीप प्रज्वलन एवं प्रार्थना के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ, जो स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक रहा। प्रो वाइस चांसलर टी. बी. श्रीधरन ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि तकनीक आधारित समाधान वैश्विक स्वास्थ्य व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन ला सकते हैं। हेल्थ–हैक 2026 के संयोजक डॉ. सिद्धार्थ मैती ने बताया कि यह आयोजन अकादमिक जगत और उद्योग के बीच सेतु का कार्य करते हुए सार्थक स्वास्थ्य नवाचारों को प्रोत्साहित करता है।

ब्राइडल ज्वेलरी का पूरा संगम: भोपाल में डीपी ज्वैलर्स का 'वेडिंग कार्निवल 2026

भोपाल, एजेंसी। सेंट्रल इंडिया के सबसे बड़े और भरोसेमंद ज्वैलरी ब्रांड डीपी ज्वैलर्स ने भोपाल में 'डीपी वेडिंग कार्निवल 2026' आयोजित किया है। यह ब्राइडल ज्वेलरी प्रदर्शन 11 से 22 फरवरी 2026 तक चलेगा। शादी के सीज़न को देखते हुए इस आयोजन में एक ही जगह पर शादी से जुड़ी ज्वेलरी के कई विकल्प प्रस्तुत किए जा रहे हैं। वेडिंग कार्निवल में ब्राइडल और सेमी–ब्राइडल ज्वेलरी का विस्तृत कलेक्शन प्रदर्शित किया जा रहा है, जिसमें पारंपरिक डिज़ाइनों के साथ आधुनिक स्टाइल की ज्वेलरी भी शामिल है। यहां हॉलमार्क गोल्ड ज्वेलरी, नेचुरल डायमंड ज्वेलरी, डायमंड पोल्की कलेक्शन, सिल्वर ज्वेलरी और आधुनिक ब्राइडल डिज़ाइन्स उपलब्ध हैं। कलेक्शन को सगाई, हल्दी, संगीत, विवाह और रिसेप्शन जैसे अलग–अलग कार्यक्रमों के अनुरूप तैयार किया गया है। ग्राहकों की सुविधा के लिए आयोजन जगह पर ज्वेलरी से जुड़ी जानकारी और मार्गदर्शन उपलब्ध रहेगा। साथ ही मूल्य और मेकिंग चार्जेस को लेकर स्पष्टता सुनिश्चित की गई

9एमएफवाय26 में ईबीआईटीडीए 60 प्रतिशत और पीएटी 53 प्रतिशत बढ़ा

अहमदाबाद। आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड जो भारत की अग्रणी बी2बी ज्वेलरी निर्माण कंपनियों में से एक है, ने क्यू3 एफवाय26 और 9एम एफवाय26 के अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए। आशापुरी गोल्ड ऑर्नामेंट लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक श्री जितेंद्र कुमार सोनी ने कहा– हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि क्यू3 एफवाय26 में हमने एक और मजबूत तिमाही प्रदर्शन दर्ज किया है। इस अवधि में हमारा पीएटी साल–दर–साल 7.76 प्रतिशत बढ़ा, जबकि ईबीआईटीडीए में 22.01 प्रतिशत की वृद्धि हुई। हमारा ईबीआईटीडीए मार्जिन 233 बेसिस प्वाइंट्स बढ़कर 8.78 प्रतिशत पर पहुंच गया और पीएटी मार्जिन 103 बेसिस प्वाइंट्स सुधरकर 6.11प्रतिशत हो गया। यह उल्लेखनीय सुधार हमारे अनुशासित निष्पादन, परिचालन दक्षता और हमारे बी2बी ज्वेलरी बिजनेस मॉडल की अंतर्निहित मजबूती को दर्शाता है।
सर्राफा बाजारों में आज सोने के भाव में बड़ी गिरावट नजर आ रही है। 24 कैरेट सोना 1175 रुपये सस्ता होकर 156147 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर खुला। अब सोना सर्राफा मार्केट के अपने ऑल टाइम हाई 176121 से 19974 रुपये सस्ता हो चुका है। जीएसटी समेत सोना आज 160831 रुपये पर आ गया है। वहीं, प्लैटिनम 1906 रुपये की गिरावट के साथ 67381 रुपये पर आ गया है। बुधवार को सोना बिना जीएसटी 157322 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। यह रेट आईबीजेए द्वारा जारी किए गए हैं। आईबीजेए दिन में दो बार रेट जारी करता है।

भारत की स्पैम ढाल: ट्रूकॉलर कम्युनिटी ने 2025 में लगभग 1,200 करोड़ अनचाही कॉल्स को रोका

ट्रूकॉलर की आंतरिक रिपोर्ट बड़े पैमाने पर ठगी के प्रयासों को रोकने को उजागर करती है

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 में भारत में लोगों को 4,000 करोड़ से ज़्यादा स्पैम कॉल आए, जो धोखाधड़ी, परेशानी और डिजिटल जोखिम के बढ़ते खतरे को दिखाते हैं। भारत में हर फ़ोन कॉल का अपना महत्व होता है–यह अवसरों के द्वार खोल सकती है, ज़रूरी जानकारी पहुँचा सकती है या लोगों को गंभीर खतरे में भी डाल सकती है। जैसे-जैसे देश विकसित भारत के लक्ष्य के तहत तेज़ी से डिजिटल और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे संचार पर भरोसा प्रगति की एक अहम नींव बन गया है।

ट्रूकॉलर कॉलर की नई रिपोर्ट बताती है कि इनमें से 1,189 करोड़ अनचाही कॉल उपयोगकर्ताओं तक पहुँचने से पहले ही ब्लॉक कर दी गईं। इससे लाखों लोगों को ठगी, समय की बर्बादी और बेवजह के तनाव से बचाया जा सका, खासकर ऐसे समय में जब देश की अर्थव्यवस्था तेज़ी से डिजिटल रूप से जुड़ रही है। देश में 100 करोड़ से ज़्यादा सक्रिय फोन कनेक्शन हैं, जो व्यापार, शासन और व्यक्तिगत रिश्तों को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। इंडिया इनसाइट्स रिपोर्ट जारी की है, जो डेटा के ज़रिए यह दिखाती है कि स्पैम और धोखाधड़ी देश के संचार के माहौल को कैसे बदल रहे हैं और टेक्नोलॉजी हर दिन करोड़ों लोगों की सुरक्षा कैसे कर रही है।

उपभोक्ताओं का समय और पैसा दोनों बचा

यह रिपोर्ट 2025 के दौरान लिए गए इन निर्णयों के प्रभाव को सामने लाती है, साथ ही डिजिटल जोखिम के व्यापक स्तर और उससे बचाव के बढ़ते महत्व को भी स्पष्ट करती है। लोगों को सुरक्षित रखते हुए जुड़ा रहने में मदद करना और नुकसान होने से पहले ही जोखिम को रोकना।

भरोसा हमारी सबसे कीमती डिजिटल संपत्ति बन गया

ऐसे देश में जहाँ कनेक्टिविटी हर स्तर पर अवसरों को आगे बढ़ा रही है, वहाँ भरोसा हमारी सबसे कीमती डिजिटल संपत्ति बन गया है, ट्रूकॉलर के सीईओ रिशित झुनझुनवाला ने कहा। आज धोखाधड़ी सिर्फ एक तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि एक मानवीय समस्या भी है। यह उन पलों में डर, जल्दबाज़ी और अनिश्चितता का फायदा उठाती है जो सबसे ज़्यादा मायने रखते हैं। हमारी ज़िम्मेदारी है कि किसी भी भारतीय को जुड़े रहने और सुरक्षित रहने के बीच चुनाव न करना पड़े। ट्रूकॉलर में हमारा फोकस बिल्कुल साफ है।

'बिहारी' पहचान के साथ किया गया जज

बिहार के छोरे ने 'गरीबों के खाने' को दिलाई ग्लोबल पहचान, पीएम मोदी तक पहुंची थाली

नई दिल्ली, एजेंसी। बिहार के मुंगेर जिले में एक जगह है जमालपुर। इस शहर की संकरी गलियों और रेल इंजन की सीटी के बीच पले-बढ़े गौतम कुमार ने शायद कभी नहीं सोचा होगा कि एक दिन उनके बनाए व्यंजन प्रधानमंत्री, अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों और अरबपतियों की थाली तक पहुंचेंगे। लेकिन यह सफर सिर्फ सफलता का नहीं, बल्कि पहचान, संघर्ष और जड़ों को अपनाने की कहानी है।

गौतम बताते हैं कि बचपन में वे हर सुबह अपने गांव से कई किलोमीटर पैदल चलकर स्कूल जाते थे। उस समय उनके भीतर हमेशा एक कमी का एहसास रहता था- जैसे वे कहीं फिट नहीं बैठते। यह भावना उनके साथ लंबे समय तक रही, खासकर तब जब उन्होंने शेफ बनने का फैसला किया। उस दौर में खाना बनाना अक्सर महिलाओं का काम माना जाता था और एक छोटे शहर के लड़के का कुकिंग को करियर बनाना असामान्य समझा जाता था।

गौतम सिर्फ पेट भरने के लिए नहीं, बल्कि अपनी पहचान बनाने के लिए खाना बनाना चाहते थे। जब वे पहली बार बिहार से बाहर प्रोफेशनल किचन में पहुंचे तो उन्हें अपनी बोली, खानपान और पृष्ठभूमि के कारण 'बिहारी' पहचान के साथ जज किया गया। बिहार के खाने को अक्सर साधारण या 'अनसोफिस्टिकेटेड'

माना जाता था और लंबे समय तक उन्होंने खुद को उसी ढांचे में फिट करने की कोशिश की।

फाइव-स्टार होटलों में काम करते हुए गौतम ने कॉन्टिनेंटल डिश, इंटरनेशनल प्लेटिंग और आधुनिक तकनीकों पर महारत हासिल की। शांगरी-ला, द इम्पीरियल, ग्रैंड हयात, रेडिसन और मेफेयर जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों में काम ने उन्हें अनुशासन, नेतृत्व और विश्वसनीयता दी। लेकिन भीतर एक बेचैनी बनी रही- वे उस भोजन संस्कृति से दूर होते जा रहे थे जिसने उन्हें बनाया था। यही बेचैनी आगे चलकर उनकी सबसे बड़ी ताकत बनी। समय के साथ गौतम ने अपनी जड़ों को अपनाना शुरू किया। बाजरा, पारंपरिक अनाज, सात्विक व्यंजन, स्थानीय सब्जियां और कम मसालों वाला भोजन अब उनके किचन की पहचान बन गए। उन्होंने सवाल उठाया कि हमारे पूर्वजों का भोजन, जो पोषण और पर्यावरण दोनों के लिहाज से बेहतर है, उसे हीन क्यों समझा जाता है

डायरेक्टर सम्मीर एस गोगिया के साथ काम करते हुए गौतम ने एक नया प्रयोग शुरू किया- क्यूरेटेड आयुर्वेदिक मेनू। भारी, तैलीय और दिखावटी पार्टी खाने की जगह उन्होंने सात्विक सिद्धांतों, मौसमी सामग्री और पाचन संतुलन पर आधारित व्यंजन पेश किए।‚2 घी और मसालों के तापमान से लेकर समय तक, हर चीज सोच-समझकर तय होती है। गौतम की सोच जल्द ही अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंची। साल 2023 में दिल्ली के यशोभूमि में हुए त्र20 समिट में गौतम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और त्र20 प्रतिनिधियों को बाजरा-आधारित मेनू परोसा।

मुंबई में थम्स अप के नए एंथम लॉन्च पर हनुमैनकाइंड और विशाल ददलानी का दमदार अंदाज़

मुंबई, एजेंसी। भारत के मशहूर और भरोसेमंद ब्रांड थम्स अप ने अपने नए एंथम 'टेस्ट द थंडर' को हनुमानकाइंड और विशाल ददलानी के साथ लॉन्च किया है। यह गाना थम्स अप की पहचान रहे जोश, बेबाकी और तूफानी अंदाज़ को पूरी ताकत के साथ पेश करता है। गाने की आत्मा वही मशहूर पंक्ति है– आज कुछ तूफानी करते हैं, जो आज के युवाओं की सोच और एनर्जी से सीधा जुड़ती है।

हनुमानकाइंड और विशाल ददलानी का यह नया सहयोग थम्स अप को आज की युवा पीढ़ी के और करीब लाता है। हनुमानकाइंड जहां नए जमाने के हिप-हॉप की रॉ और बेबाक ऊर्जा लेकर आए हैं, वहीं विशाल ददलानी की दमदार आवाज़ गाने को हर उम्र के दर्शकों से जोड़ती है। दोनों कलाकारों का जुनून और तीखापन थम्स अप के कड़क स्वाद और तूफानी व्यक्तित्व से पूरी तरह मेल खाता है।

डब्ल्यूपीपी ओगिल्वी की परिकल्पना पर और यूनिवर्सल म्यूजिक ग्रुप के साथ मिलकर तैयार किया गया यह एंथम युवाओं को आज, अभी और अपने दोस्तों के साथ कुछ अलग करने की प्रेरणा देता है। यह सिर्फ एक गाना नहीं, बल्कि एक बुलावा है–रुकने के बजाय आगे बढ़ने का।

मुंबई में आयोजित एक खास इवेंट में इस गाने को लॉन्च किया गया, जिसमें हनुमानकाइंड और विशाल ददलानी के अलावा बिजॉय शेट्टी, सुशिन श्याम और वरुण ग्रोवर सहित कई नामी हस्तियां मौजूद रहीं। बिजॉय शेट्टी के निर्देशन में बना यह वीडियो दमदार विजुअल्स के ज़रिये सीधे

युवाओं की सोच और भावनाओं से बात करता है। गाने को संगीत दिया है सुशिन श्याम ने, जिन्होंने इसे एक आधुनिक और फिल्मी रंग दिया है। वरुण ग्रोवर के लिखे हिंदी बोल दोस्ती, एकजुटता और युवाओं की सामूहिक ऊर्जा को दर्शाते हैं। वहीं, हनुमानकाइंड का इंग्लिश रैप गाने में निडर और रॉ अंदाज़ जोड़ता है, जो थम्स अप की पहचान को और मज़बूत बनाता है। इस एंथम में क्रिकेट सितारे सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह भी नज़र आते हैं, जिससे थम्स अप का क्रिकेट के साथ पुराना रिश्ता और गहरा होता है। यह गाना ब्रांड के नए समर कैंपेन का मुख्य हिस्सा है, जो आईसीसी मेंस टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान शुरू किया जा रहा है। थम्स अप क्रिकेट, संगीत और सिनेमा को जोड़कर ज़बरदस्त प्रचार अभियान चला रहा है। ग्रीष्मा सिंह, वाइस प्रेसिडेंट, मार्केटिंग, कोका-कोला इंडिया एवं साउथवेस्ट एशिया ने कहा, आज के युवा अब सिर्फ चीज़ों को देखना पसंद नहीं करते, बल्कि वे उनमें शामिल होना चाहते हैं। वे ऐसे पलों की तलाश में रहते हैं जो रोमांचक हों, तेज़ हों और बिल्कुल असली लगें। इसी सोच के साथ 'टेस्ट द थंडर' एंथम बनाया गया है। 'आज कुछ तूफानी करते हैं' का मतलब है दोस्तों के साथ मिलकर उस जोश और जुनून को महसूस करना जो हमें कुछ बड़ा करने के लिए उकसाता है। यह गाना युवाओं को साथ आने और कुछ हटकर करने का बुलावा देता है–यही असली तूफानी अंदाज़ है।

ओरिएंटल यूनिवर्सिटी इंदौर द्वारा बीबीए एवं एमबीए विद्यार्थियों हेतु आईआईएम इंदौर का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित

इंदौर, एजेंसी। ओरिएंटल यूनिवर्सिटी इंदौर ने बीबीए एवं एमबीए पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) इंदौर का एक शैक्षणिक भ्रमण सफलतापूर्वक आयोजित किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को प्रबंधन शिक्षा से जुड़े व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना तथा उनकी शैक्षणिक समझ को और अधिक समृद्ध बनाना था।

यह शैक्षणिक भ्रमण फैकल्टी ऑफ मैनेजमेंट, कॉमर्स एवं मीडिया स्टडीज़ द्वारा प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट विभाग के सहयोग से आयोजित किया गया। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को देश के प्रमुख प्रबंधन संस्थान आईआईएम इंदौर के शैक्षणिक वातावरण, शिक्षण पद्धतियों, कैंपस संस्कृति एवं संस्थागत कार्यप्रणाली को नज़दीक से समझने का अवसर प्राप्त हुआ।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों ने शैक्षणिक विशेषज्ञों से संवाद किया तथा प्रबंधन अवधारणाओं, नेतृत्व विकास एवं व्यावसायिक

अनुशासन से संबंधित व्यावहारिक समझ प्राप्त की। यह अनुभव कक्षा में प्राप्त ज्ञान और लाइव प्रोजेक्ट उदाहरणों के बीच की दूरी को कम करने में सहायक सिद्ध हुआ तथा विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक एवं व्यावसायिक यात्रा में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। यह शैक्षणिक भ्रमण डीन प्रो. (डॉ.) मनमीत सिंह एवं विभागाध्यक्ष डॉ. मंजरी गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिनके सहयोग एवं नेतृत्व से कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सका। कार्यक्रम के सफल संचालन में संयोजक सुश्री हर्षा पिपलोदिया एवं श्री रितिक सक्सेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिन्होंने संपूर्ण योजना एवं समन्वय को कुशलतापूर्वक संपादित किया।

विश्वविद्यालय सम्माननीय पदाधिकारियों–माननीय कुलाधिपति श्री प्रवीण ठकराल, माननीय प्रो-कुलाधिपति प्रो. (डॉ.) ध्रुव घई, माननीय प्रो-कुलाधिपति श्री गौरव ठकराल, माननीय मुख्य प्रबंध निदेशक प्रो. (डॉ.) गरिमा घई, माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) अमोल गोरे तथा उप पंजीयक श्री अजेयेंद्र नाथ–के प्रति हार्दिक कृतज्ञता एवं आभार व्यक्त करता है।

76 लाख रुपये से 3 करोड़ के ऊपर पहुंचा मुनाफा, 5 दिन में 43 % चढ़ गया शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए कलपुर्जे बनाने वाली कंपनी पावना इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले कुछ दिन से अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। पावना इंडस्ट्रीज के शेयर गुरुवार को क्ष्स्थ में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 26.49 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले 5 दिन में कंपनी के शेयरों में 43 पर्सेंट से अधिक की तेजी आई है। कंपनी को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में जबरदस्त मुनाफा हुआ है और इससे कंपनी के शेयरों को मजबूती मिली है। तीसरी तिमाही में पावना इंडस्ट्रीज का मुनाफा 297 पर्सेंट बढ़ा है। अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू 108.03 करोड़ रुपये रहा, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 79.43 करोड़ रुपये था। ऑटो कंपोनेंट्स बनाने वाली इस स्मॉलकैप कंपनी के शेयर 6 फरवरी 2026 को 18.28 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 12 फरवरी 2026 को 26.49 रुपये पर जा पहुंचे हैं।

76 लाख रुपये से बढ़कर 3 करोड़ के पार पहुंचा मुनाफा

पावना इंडस्ट्रीज के वित्तीय नतीजे चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में शानदार रहे हैं। तीसरी तिमाही में टैक्स भुगतान के बाद कंपनी का मुनाफा सालाना आधार पर 297.37 पर्सेंट बढ़ा है। पावना इंडस्ट्रीज को चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 3.02 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी को 76 लाख रुपये का प्रॉफिट हुआ था। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 36 पर्सेंट बढ़ा है।

2994 करोड़ जुटाएगी सरकारी कंपनी, शेयर ने दिया 52 हफ्ते का सबसे बुरा परफॉर्मेंस

नई दिल्ली, एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (इरेडा) के शेयर में को बड़ी गिरावट देखी गई। इस वजह से शेयर ने 52 हफ्ते के लो को टच किया। शेयर में यह गिरावट इसलिए भी अहम है क्योंकि कंपनी ने इक्विटी शेयर जारी कर 2994 करोड़ रुपये जुटाने के लिए शेयरधारकों की मंजूरी लेने की योजना बनाई है। यह मंजूरी पात्र संस्थागत खरीदारों समेत अन्य निवेशकों से डाक के जरिये ली जाएगी।

इस इश्यू से कंपनी में भारत के राष्ट्रपति की शेयरहोल्डिंग इश्यू के बाद की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी के 3.76 प्रतिशत से अधिक नहीं घटेगी। कंपनी अपने मौजूदा परिचालन में ग्रोथ अवसरों की उम्मीद करती है और विभिन्न विकल्पों का मूल्यांकन करना जारी रखे हुए है। इसके लिए कंपनी को इस तरह की ग्रोथ प्राप्त करने के लिए पूंजी की जरूरत बनी हुई है। कंपनी ने भविष्य की कैपिटल जरूरत, आगे लोन देने और सामान्य कंपनी उद्देश्यों को पूरा करने के लिए कैपिटल बेस को बढ़ाने को लेकर निर्धारित कानून और निदेशक मंडल की मंजूरी के अनुरूप अतिरिक्त पूंजी जुटाने का प्रस्ताव किया है। इस प्रस्ताव के कार्यान्वयन और प्राप्त फंड के उपयोग की समय-सारणी को बाद में उचित समय

पर निदेशक मंडल मंजूरी देगा। प्रस्ताव पर ई-मतदान शुक्रवार, 13 फरवरी 2026 को सुबह 9 बजे शुरू होगा और शनिवार, 14 मार्च 2026 को शाम 5 बजे समाप्त होगा। इरेडा के शेयर की बात करें तो 126.65 रुपये की पिछली क्लोजिंग के मुकाबले 124.10 रुपये के निचले स्तर पर आ गया। यह शेयर के 52 हफ्ते का लो है। पिछले साल फरवरी महीने में शेयर 187.75 रुपये तक पहुंच गया था। यह शेयर के 52 हफ्ते का हाई है। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में इरेडा का नेट प्रॉफिट 37 प्रतिशत बढ़कर 585 करोड़ रुपये रहा। मुख्य रूप से कंपनी की आय बढ़ने से लाभ बढ़ा है। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के अंतर्गत आने वाली कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि पिछले वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में उसे 425 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। कंपनी का परिचालन राजस्व 38 प्रतिशत बढ़कर 2140 करोड़ रुपये हो गया, जो एक साल पहले इसी तिमाही में 1699 करोड़ रुपये था। तिमाही में कर्ज वितरण 32 प्रतिशत बढ़कर 9,860 करोड़ रुपये रहा जो एक साल पहले इसी तिमाही में 7,449 करोड़ रुपये था। तिमाही के दौरान नेटवर्थ बढ़कर 13,537 करोड़ रुपये हो गया जो एक साल पहले दिसंबर तिमाही में 9,842 करोड़ रुपये था।

सीएनएच इंडिया ने तेज की कृषि मशीनीकरण की रफ्तार, पेश किए विश्वस्तरीय फसल समाधान

पुणे, एजेंसी। कृषि और निर्माण उपकरण क्षेत्र की वैश्विक अग्रणी कंपनी सीएनएच ने अपने अत्याधुनिक पुणे विनिर्माण संयंत्र में 'मेड इन पुणे' उन्नत कृषि मशीनीकरण उत्पादों का प्रदर्शन किया। यह संयंत्र सीएनएच की मजबूत अनुसंधान एवं विकास (ऋ&ष्ठ), इंजीनियरिंग और विनिर्माण क्षमताओं का केंद्र है, जहां विश्वस्तरीय हार्वेस्टिंग और फसल समाधान उपकरणों का डिजाइन, विकास और निर्माण किया जाता है। यहां बने उत्पाद घरेलू बाजार के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में भी भेजे जाते हैं।

2,80,000 वर्ग मीटर में फैले इस संयंत्र में कंबाइन हार्वेस्टर, गन्ना हार्वेस्टर, स्मॉल स्क्वेयर बेलर, ट्रैक्टर, हेडर, कैब और कृषि उपकरणों का निर्माण होता है। अत्याधुनिक फैब्रिकेशन सुविधाएं, स्वचालित पेंट सिस्टम, सुव्यवस्थित असेंबली लाइन और कड़े परीक्षण मानकों से लैस यह संयंत्र देशभर में विभिन्न फसलों के लिए मशीनीकरण को समर्थन देता है और अपने उत्पादन का एक हिस्सा निर्यात भी करता है। सीएनएच इंडिया क्षेत्र के प्रेसिडेंट एवं मैनेजिंग डायरेक्टर नरेंद्र मित्तल ने कहा, ÷सीएनएच का पुणे संयंत्र भारत में हमारे निर्माण कार्य का एक मजबूत आधार है और देश में कृषि मशीनीकरण को आगे बढ़ाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। जैसे-जैसे भारत विकसित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहा है, खेती में मशीनीकरण उत्पादकता, दक्षता और स्थिरता बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगा। गन्ना हार्वेस्टर, कंबाइन हार्वेस्टर और बेलर के क्षेत्र में हमारी तकनीकी बढ़त उन मशीनों से दिखाई देती है, जो आधुनिक तकनीक से लैस, ईंधन की बचत करने वाली, भरोसेमंद हैं और खासतौर पर भारतीय मिट्टी व खेती की परिस्थितियों के अनुसार तैयार की गई हैं। हमें गर्व है कि हम ये समाधान भारतीय किसानों के लिए डिजाइन और निर्मित कर रहे हैं।÷ वर्ष 2023 में सीएनएच ने इसी संयंत्र से भारत का पहला ञ्त्र्क्ष्रू ङ्क उत्सर्जन मानक अनुरूप गन्ना हार्वेस्टर पेश किया था। भारत में गन्ना हार्वेस्टर और स्मॉल स्क्वेयर बेलर श्रेणी में कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 50त्न से अधिक है, जबकि कैब कंबाइन हार्वेस्टर श्रेणी में वह बाजार की अग्रणी कंपनी है। उन्नत मशीनरी के साथ-साथ कंपनी जमीनी स्तर पर कौशल और क्षमताओं के विकास पर भी ध्यान दे रही है, जिससे भारतीय कृषि में समग्र चौतरफा बदलाव लाया जा सके।

क्रिस्टल डिसूजा

ने 'शरारत' गाने के लॉन्च के दौरान रणवीर सिंह के साथ बिताए पल को किया याद

क्रिस्टल डिसूजा के लिए सुपरस्टार होना सिर्फ हिट फिल्में देने या लाइमलाइट में रहने का नाम नहीं है। उनके हिसाब से असली सुपरस्टार वो होता है जो दूसरों को भी आगे बढ़ने का मौका दे. हाल ही में एक इंटरव्यू में 'शरारत' गाने के लॉन्च के दौरान रणवीर सिंह के साथ बिताए एक खास पल को याद करते हुए क्रिस्टल ने बताया कि आखिर वो क्यों मानती हैं कि रणवीर सच में सुपरस्टार कहलाने के लायक हैं। क्रिस्टल ने बताया कि गाने के लॉन्च के दौरान उनका स्टेज पर जाने का कोई प्लान नहीं था. जैस्मिन सैंडलास और मधुबंती बागची ने जब 'शरारत' गाना लॉन्च किया तो माहौल एकदम जोश से भर गया था. भीड़ पहली बार गाना सुन रही थी फिर भी सब झूम रहे थे। तभी रणवीर ने अचानक कहा, 'क्रिस्टल ये तुम्हारा गाना है हमें स्टेज पर जाकर परफॉर्म करना चाहिए.' क्रिस्टल थोड़ी घबरा गईं क्योंकि उन्होंने साड़ी पहनी हुई थी और उन्हें लगा कि वो डांस कैसे करेंगी।

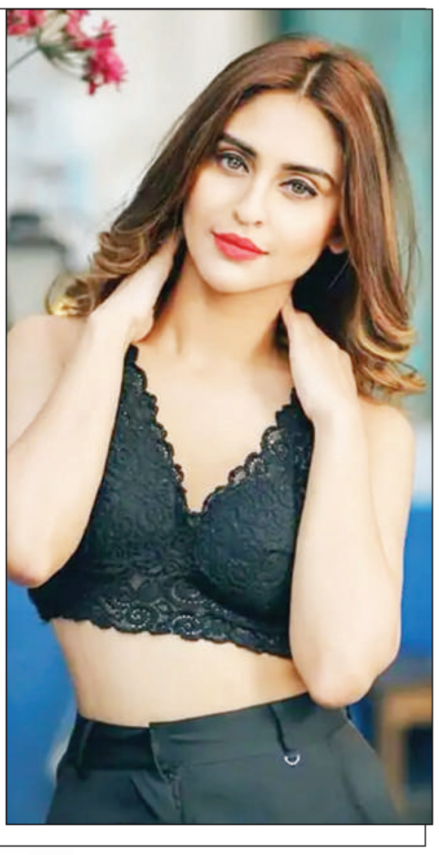

'हंगामा' की अंजलि, फिल्में छोड़ रियल एस्टेट एजेंट बन कमा रही मोटी रकम

साल 2003 में रिलीज हुई हास्य फिल्म 'हंगामा' आज भी दर्शकों के जेहन में ताजा है। कॉमेडी से भरपूर इस फिल्म ने दर्शकों को शुरुआत से अंत तक ठहाके लगाने पर मजबूर कर दिया था। फिल्म की कहानी जितनी दिलचस्प थी, उसके किरदार भी उतने ही खास थे। हर पात्र की अपनी अलग दुनिया थी, लेकिन सभी किरदार एक-दूसरे से बखूबी जुड़े हुए थे। यही आपसी उलझनें और गलतफहमियां फिल्म को एक मजेदार मोड़ देती रहीं। फिल्म के सभी कलाकारों ने अपनी अदायगी से दर्शकों का दिल जीता। खासकर भोली-भाली अंजलि का किरदार, जिसने अपनी सादगी और मासूमियत से लोगों को खूब प्रभावित किया। इस भूमिका को अभिनेत्री रिमी सेन ने निभाया था। हालांकि, लंबे समय से रिमी सेन बड़े पर्दे से दूर हैं। अभिनय की दुनिया से दूरी बनाने के बाद अब वह रियल एस्टेट के क्षेत्र में सक्रिय हैं और एक एजेंट के रूप में काम कर रही हैं। फिल्म 'हंगामा' में नंदू और अंजलि की लव स्टोरी और सभी किरदारों की कॉमेडी ने हर बार दर्शकों का दिल जीता। फिल्म को जितनी बार देखा गया, उतनी बार दर्शक खुद को हंसने से रोक नहीं पाए। फिल्म में अंजलि का किरदार निभाने वाली रिमी सेन की भूमिका ने भी दर्शकों का दिल जीता, लेकिन हंगामा की रिमी सेन आज असल जिंदगी में बहुत बदल चुकी हैं। अभिनेत्री का चेहरा पहचान पाना बहुत मुश्किल हो गया है क्योंकि फिलर्स और बोटॉक्स ट्रीटमेंट की वजह से चेहरे की बनावट पहले जैसी नहीं रही है। यूजर्स भी अभिनेत्री के चेहरे को देखकर हैरान हैं और हर पोस्ट पर यही सवाल कर रहे हैं कि चेहरे का क्या ही करा डाला! फिल्मों से दूर रिमी सेन इन दिनों दुबई बेस्ड रियल एस्टेट एजेंट बन गई है। अभिनेत्री रियल एस्टेट के व्यवसाय में जानी-मानी हस्ती बन चुकी हैं और लोगों को उनके सपनों का घर दिलवाने में भी मदद करती हैं।

संदीपा धर

ने भाई-बहन कम्पैरिजन वाली संस्कृति पर उठाए सवाल

जैसे-जैसे 20 फरवरी को रिलीज़ होने जा रही दो दीवाने सहर में की तारीख करीब आती जा रही है, वैसे-वैसे इस फिल्म को लेकर दर्शकों का उत्साह भी बढ़ता जा रहा है। फिलहाल इस फिल्म के साथ फिल्म के ट्रेलर में नज़र आई संदीपा धर का हालिया सोशल मीडिया नोट चर्चा का विषय बना हुआ है, जिसने दर्शकों के दिलों को छू लिया है। इस नोट में संदीपा ने भावनात्मक पंक्तियों के माध्यम से नैना से परिचय कराते हुए बताया है कि नैना एक ऐसा किरदार है, जो शूटिंग खत्म होने के बाद भी उनके साथ बना रहा। हालांकि इस प्रेम कहानी के परे, नैना की यात्रा में छिपी सामाजिक सच्चाई इस फिल्म को खास तौर पर प्रासंगिक बनाती है। रवि उद्यावर के निर्देशन में बनी और संजय लीला भंसाली फिल्म्स द्वारा निर्मित यह फिल्म भले ही एक लव स्टोरी के रूप में प्रस्तुत की जा रही हो, लेकिन संदीपा के शब्द इसके भीतर छिपी बातों को उजागर करते हैं। ये वो बातें हैं, जिन पर कभी खुलकर बात नहीं होती। संदीपा ने भावनात्मक लहजे में लिखा है, सुंदर। सफल। अमीर परिवार में शादी हुई नैना को हर कोई परफेक्ट मानता है। इनफैक्ट कागज़ पर वह वही आदर्श छवि है, जिसे समाज सराहता है। लेकिन इस परफेक्शन की कीमत क्या है। उस सजी-संवरी छवि के पीछे एक ऐसी स्त्री है, जिसने धीरे-धीरे अपनी पहचान खो दी है। एक सच्चाई जो कई भारतीय घरों में अनकही रह जाती है। इसके अलावा संदीपा ने भारतीय परिवारों में आम तौर पर होने वाले भाई-बहन की तुलना पर भी बात की है।

रोहित शेट्टी के घर पर फायरिंग मामला

आरोपियों पर लगा मकोका

17 फरवरी तक पुलिस हिरासत

मशहूर फिल्म निर्माता रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर हुई गोलीबारी के मामले में चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। मुंबई पुलिस ने विशेष अदालत को सूचित किया है कि इस हमले का मुख्य उद्देश्य शहर में डर और दहशत का माहौल पैदा करना था। मामले की गंभीरता को देखते हुए, पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मकोका जैसा कठोर कानून लागू कर दिया है। विशेष मकोका अदालत ने पांचों आरोपियों को 17 फरवरी तक पुलिस हिरासत में भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, एक फरवरी की देर रात करीब 12.45 बजे जुहू स्थित शेट्टी के आवास की पहली मंजिल पर कम से कम पांच बार गोलियां चलाई गईं। एक गोली इमारत के अंदर स्थित जिम के शीशे पर लगी। मुंबई पुलिस की अपराध शाखा का जबरन वसूली रोधी प्रकोष्ठ इस मामले की जांच कर रहा है। अधिकारी ने कहा, कुछ आरोपी पहले से ही गंभीर अपराधों में शामिल हैं।

करोड़ों के मालिक फिर क्यों कर्ज नहीं चुका रहे राजपाल?

KRK ने उठाए सवाल

कमाल आर खान ने राजपाल यादव से जुड़े कई सारे ट्वीट किए हैं। एक तरफ उनका दावा है कि एक्टर के पास 50 करोड़ रुपये की संपत्ति है, मगर वो खुद अपना कर्ज नहीं चुकाना चाहते। वहीं दूसरी तरफ वो कह रहे हैं कि वो एक्टर को 10 लाख रुपये देने के लिए तैयार बैठे हैं। बॉलीवुड के सबसे चहेते कॉमिक एक्टर राजपाल यादव इन दिनों बड़ी मुश्किलों से गुजर रहे हैं। वो तिहाड़ जेल में बंद हैं क्योंकि उनपर 9 करोड़ रुपये का कर्ज है, जिसे चुकाना बाकी है। एक्टर की मदद के लिए इंडस्ट्री के कई सेलेब्स आगे आए। उन्हीं में से एक खुद को फिल्म क्रिटिक बताने वाले कमाल आर खान उर्फ केआरके भी हैं। कमाल आर खान ने राजपाल यादव की मदद के लिए 10 लाख रुपये की मदद भेजने का वादा किया था. गुरुवार के दिन केआरके ने इसे लेकर ङ्ग पर ट्वीट भी किया. उनके मुताबिक, वो 10 लाख रुपये का चेक बनाकर बैठे हैं. मगर राजपाल की पत्नी उसे लेने नहीं पहुंच पाई क्योंकि वो दिल्ली हाई कोर्ट में एक्टर की सुनवाई के लिए मौजूद है।

कॉन्सर्ट में लड़कियों संग हुई बदतमीजी

जैस्मीन सैंडलस

महिलाएं सेफ नहीं तो गाना नहीं

हाल ही में दिल्ली में जैस्मीन सैंडलस के कॉन्सर्ट का माहौल उस वक्त अचानक बदल गया, जब सिंगर ने भीड़ में कुछ लोगों को महिला फैंस के साथ बदतमीजी करते देखा। म्यूजिक और डांस के बीच जैस्मीन ने तुरंत परफॉर्मेंस रोक दी और स्टेज से ही सिक्योरिटी को दखल देने के लिए कहा। यह नजारा देखकर वहां मौजूद लोग भी हैरान रह गए। इस दौरान सिंगर ने साफ शब्दों में कहा कि अगर उनके कॉन्सर्ट में लड़कियां सेफ महसूस नहीं करेंगी, तो वह गाना नहीं गाएंगी। सोशल मीडिया पर यह वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। दरअसल परफॉर्मेंस के दौरान जैस्मीन की नजर भीड़ में मौजूद उन लोगों पर जाती है, जो एक महिला के साथ छेड़छाड़ कर रहे होते हैं। ऐसे में वह तुरंत अपना गाना रोक सिक्योरिटी से कहती हैं कि इन लोगों को कॉन्सर्ट से बाहर निकालें। 'महिलाएं सेफ नहीं, तो शो नहीं' सिंगर सिर्फ इन लोगों को शो से बाहर निकालने की ही बात नहीं करती बल्कि वह कहती हैं कि अगर लड़कियां सेफ नहीं होंगी, तो वह परफॉर्मेंस नहीं देंगी। जैस्मीन के इस एक्शन्स को लोग खूब सराहा रहे हैं।

शूटिंग से चंद दिनों पहले फाइनल हुई थीं तरनजीत कौर

अभिनेत्री ने शेयर किया अनुभव

अभिनेत्री तरनजीत कौर जल्द ही अपनी आगामी वेब सीरीज शबद: रीत और रिवाज में नजर आएंगी। पंजाब की पृष्ठभूमि पर आधारित इस सीरीज का निर्देशन अमित गुप्ता ने किया है। सीरीज में अभिनेत्री तरनजीत कौर अहम भूमिका में नजर आएंगी। अभिनेत्री ने हाल ही में सीरीज में अपने रोल को लेकर कुछ बातें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि जब वे चंड़ीगढ़ अपने माता-पिता से मिलने गई थीं। उसी दौरान टीम की तरफ से ऑडिशन के लिए कॉल उन्हें आया था। उन्होंने कहा, मुझे यह रोल तब मिला जब मैं चंडीगढ़ में अपने माता-पिता से मिलने गई थी। मुझे मनजोत के रोल के लिए ऑडिशन का कॉल आया और मैंने अपना पहला ऑडिशन वीडियो भेज दिया था, जिसके बाद कुछ ही दिनों में मुझे बताया गया कि मेरा नाम शॉर्टलिस्ट हो गया है। तरन ने ऑडिशन की आगे की प्रक्रिया विस्तार से बताते हुए कहा, मुझसे देर रात, लगभग 11 बजे, एक और ऑडिशन वीडियो भेजने के लिए कहा गया और आखिरकार मैंने इसे रात 1 बजे के करीब शूट करके भेज दिया। अभिनेत्री ने बताया कि देर रात उनके माता-पिता सो रहे थे, जिस वजह से वे वीडियो बनाने में झिझक रही थीं। उन्होंने कहा, वीडियो बनाते हुए शुरू में तो मुझे थोड़ा अजीब लग रहा था क्योंकि रात को मेरे माता-पिता सो गए थे और मैं उन्हें परेशान नहीं करना चाहती थी, लेकिन टीम वीडियो बनाने के लिए जोर दे रही थी क्योंकि शूट से पहले समय बहुत कम था। लगभग 2 से 2:30 बजे, मुझे डायरेक्टर और प्रोड्यूसर का कॉल आया जिन्होंने मुझे बताया कि मेरा नाम फाइनल हो गया है और पूछा कि क्या मैं सब कुछ फाइनल करने के लिए सुबह की फ्लाइट ले सकती हूं। तरन ने बताया कि उन्होंने टीम से दूसरे दिन मुंबई जाने के लिए मना कर दिया था। उन्होंने कहा, मुझे टीम को मना करना पड़ा क्योंकि मुझे लगा कि मेरे माता-पिता के लिए यह सही नहीं होगा कि वे उठें और देखें कि मैं अचानक गायब हो गई हूं। इसलिए मैंने उनसे अनुरोध किया कि जब तक मैं मुंबई वापस न आ जाऊं, तब तक वे मेरा इंतजार करें ताकि आने वाले दिनों में फॉर्मेलिटीज पूरी कर सकूं। अभिनेत्री ने आखिरी में सीरीज का हिस्सा बनकर खुशी जाहिर की। उन्होंने बताया, यह मेरा असामान्य और मजेदार सफर था। सेट पर जाने से कुछ ही दिन पहले मेरा रोल फाइनल होना था। मैं खासतौर पर निर्देशक अमित जी का शुक्रगुजार करती हूं, जिन्होंने मुझे हिम्मत करते आगे बढ़ने के लिए काफी प्रोत्साहित किया।

(साभार एजेंसी)

भारत के खिलाफ मैच से पहले पूर्व खिलाड़ियों ने बाबर आजम को घेरा, लाइव शो में उड़ाया मजाक

कोलंबो (एजेंसी)।

टी20 विश्व कप 2026 में पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम एक बार फिर चर्चा के केंद्र में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी शानदार बल्लेबाजी नहीं, बल्कि फॉर्म और स्ट्राइक रेट को लेकर उठते सवाल हैं। नीदरलैंड के खिलाफ धीमी पारी और अमेरिका के खिलाफ संभली हुई बल्लेबाजी के बावजूद आलोचनाएं थमने का नाम नहीं ले रहीं। भारत के खिलाफ हाई-वोल्टेज मुकाबले से पहले पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटरों ने लाइव टीवी शो में बाबर को लेकर तीखे बयान दिए, जिससे आगामी मैच का रोमांच और भी बढ़ गया है।

शुरुआती मैचों में बाबर का प्रदर्शन

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के अपने पहले मैच में बाबर आजम नीदरलैंड के खिलाफ 18 गेंदों में 15 रन बनाकर आउट हो गए थे। उनकी इस पारी को लेकर सोशल मीडिया से लेकर क्रिकेट विशेषज्ञों तक ने सवाल उठाए। आलोचकों का कहना था कि टी20 फॉर्मेट में कप्तान की भूमिका आक्रामक होनी चाहिए, खासकर तब जब टीम तेज शुरुआत की उम्मीद करती है। हालांकि, संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ बाबर ने 32 गेंदों में 46 रन बनाकर कुछ हद तक आलोचनाओं का जवाब दिया। उनकी पारी में क्लास तो दिखी, लेकिन स्ट्राइक रेट को लेकर चर्चा फिर भी जारी रही।

- **लाइव शो में पूर्व खिलाड़ियों का तंज** – पाकिस्तानी टीवी शो 'हारना मना है' में बाबर आजम की बल्लेबाजी पर खुलकर चर्चा हुई। इस कार्यक्रम में अहमद शहजाद, मोहम्मद आमिर और राशिद लतीफ मौजूद थे। बातचीत के दौरान तीनों ने बाबर की मौजूदा फॉर्म और मैच जिताने की क्षमता पर सवाल खड़े किए। अहमद शहजाद ने मजाकिया अंदाज में कहा कि अगर बाबर भारत के खिलाफ मैच जिताने वाली पारी खेलते हैं, तो वह पूरे शो की टीम, दर्शकों और सपोर्ट स्टाफ को अपनी तरफ से डिनर कराएंगे। उनका यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया।

- **मोहम्मद आमिर की शर्त और रिटायरमेंट पर बयान** – चर्चा के दौरान एंकर ने मोहम्मद आमिर से सवाल किया कि अगर बाबर 160 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए पाकिस्तान को जीत दिलाते हैं, तो क्या वह इंटरनेशनल क्रिकेट में वापसी करेंगे? इस पर शहजाद ने शर्त को थोड़ा व्यावहारिक बनाते हुए कहा कि यदि बाबर 150+ के स्ट्राइक रेट से 50 से अधिक रन बनाकर टीम को जीत दिलाते हैं, तो आमिर को अपना संन्यास वापस लेना चाहिए।

राशिद लतीफ की टिप्पणी से गूंजा स्टूडियो

पूर्व विकेटकीपर राशिद लतीफ ने भी चर्चा के दौरान चुटकी ली। जब बाबर की लंबी पारी और स्ट्राइक रेट पर बहस चल रही थी, तब उन्होंने कहा कि वो वैसे भी इतनी देर तक बल्लेबाजी नहीं करते। इस टिप्पणी पर स्टूडियो में मौजूद सभी लोग हंस पड़े।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ मैच में मोहम्मद नबी के नाम हुआ वर्ल्ड रिकॉर्ड, रोहित के क्लब में हुई एंट्री

नईदिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अफगानिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच मुकाबला खेला गया। लेकिन इस मैच में अफगानिस्तान के ऑलराउंडर मोहम्मद नबी ने मैदान पर कदम रखते ही एक ऐसा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है, जो अब तक दुनिया के गिने-चुने खिलाड़ी ही बना पाए हैं. नबी अब टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट के उस खास क्लब में शामिल हो गए हैं जहां भारत के रोहित शर्मा जैसे दिग्गज खिलाड़ियों का नाम दर्ज है।

मोहम्मद नबी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड- अफगानिस्तान के दिग्गज खिलाड़ी मोहम्मद नबी ने आज अपने टी20 इंटरनेशनल करियर का 150वां मैच खेलकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम लिखवा लिया है. वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 150 मैच खेलने वाले दुनिया के चौथे और अफगानिस्तान के पहले क्रिकेटर बन गए हैं. नबी की यह उपलब्धि उनके लंबे करियर और खेल के प्रति उनकी फिटनेस को साबित करती है. अफगानिस्तान क्रिकेट के विकास में नबी का योगदान बहुत बड़ा रहा है और आज उन्होंने अपनी टीम के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया है।

रोहित शर्मा वाले खास क्लब में हुए शामिल- 150 टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने का कारनामा मोहम्मद नबी से पहले दुनिया के केवल तीन खिलाड़ियों ने ही किया था. इस लिस्ट में सबसे ऊपर भारत के रोहित शर्मा का नाम आता है. उनके अलावा आयरलैंड के पॉल स्टर्लिंग और जॉर्ज डॉकरेल भी इस खास क्लब का हिस्सा हैं. अब मोहम्मद नबी इन दिग्गजों के साथ चौथे स्थान पर काबिज हो गए हैं. क्रिकेट जगत में इस आंकड़े को छूना किसी भी खिलाड़ी के लिए बहुत बड़ी बात मानी जाती है, क्योंकि टी20 फॉर्मेट में लगातार इतने मैच खेलना काफी चुनौतीपूर्ण होता है।

टी20 वर्ल्ड कप

उस्मान तारिक के बॉलिंग एक्शन पर बवाल, भड़के फैंस

कोलंबो (एजेंसी)। पाकिस्तान और अमेरिका के बीच टी20 वर्ल्ड कप 2026 का 12वां मुकाबला खेला गया. इस मैच में पाकिस्तान की टीम ने अमेरिका को 32 रनों से हरा दिया. इस मुकाबले में पाकिस्तान की टीम ने हर एक सेक्टर में कमाल का प्रदर्शन किया. गेंदबाजी में पाकिस्तान की ओर से सबसे सफल गेंदबाज उस्मान तारिक रहे. यह उनका वर्ल्ड कप में डेब्यू मैच था. उनके दमदार प्रदर्शन के बीच एक और चीज सबसे ज्यादा चर्चा में रही है तो वह उनका एक्शन है. वह अपने अजीब एक्शन के कारण काफी ज्यादा चर्चा में बने हुए हैं।

उस्मान का अनोखा एक्शन- टी20 वर्ल्ड कप 2026 में अपने डेब्यू मैच में ही उस्मान तारिक ने अमेरिकी बल्लेबाजों की नाक में दम कर दिया. उन्होंने 4 ओवर में महज 27 रन देकर 3 विकेट झटके। हालांकि उनकी गेंदबाजी से ज्यादा उनके एक्शन ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी है. तारिक गेंद फेंकने से ठीक पहले कुछ पलों के लिए रुक जाते हैं. वह बल्लेबाज के पैर की मूवमेंट देखते हैं और फिर गेंद रिलीज करते हैं. इस स्टॉप-एंड-गो एक्शन के कारण बल्लेबाजों के लिए उनकी टाइमिंग को पकड़ना नामुमकिन हो रहा है. जिसके कारण फैंस उन्हें सोशल मीडिया पर जमकर ट्रोल कर रहे हैं. इसी बीच उन्हें भारतीय दिग्गज स्पिनर आर अश्विन का समर्थन मिला है।

फैंस ने फुटबॉल के नियम से की तुलना- यूएसए के खिलाफ खेले गए मुकाबले के बाद एक फैन ने उस्मान के वीडियो पर नाराजगी जाहिर की. फैन ने एक्स पर लिखा कि अब तो फुटबॉल में भी पेनल्टी रन-अप के दौरान रुकने की अनुमति नहीं है. फिर क्रिकेट में यह कैसे सही है? फैन का मानना था कि एक्शन ठीक है लेकिन डिलीवरी लोड करते समय यह ठहराव कतई स्वीकार्य नहीं होना चाहिए.

टी-20 वर्ल्ड कप

शनाका ने श्रीलंका के लिए लगाई सबसे तेज फिफ्टी

जयवर्धने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड ध्वस्त

पल्लेकेले (एजेंसी)। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने 12 फरवरी को पल्लेकेले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ओमान के खिलाफ टी20 वर्ल्ड कप 2026 मुकाबले में ऐसी पारी खेली, जिसने रिकॉर्ड बुक में बदलाव करने पर मजबूर कर दिया। आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए शनाका ने महज़ 19 गेंदों में अर्धशतक जड़ दिया और श्रीलंका के लिए टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज फिफ्टी का नया कीर्तिमान बना दिया। उनकी इस विस्फोटक पारी ने न सिर्फ़ मैच का रुख बदल दिया, बल्कि टूर्नामेंट में श्रीलंका की दावेदारी भी बेहद मजबूत कर दी। कप्तान दासुन शनाका सहित तीन बल्लेबाजों के अर्धशतक और बाद में धारदार गेंदबाजी की मदद से श्रीलंका ने टी20 विश्व कप के ग्रुप बी के मैच में गुरुवार को यहां ओमान को 105 रन से करारी शिकस्त देकर सुपर आठ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। कुसल मेंडिस (45 गेंद पर 61 रन), पवन रत्नायके (28 गेंद पर 60) और शनाका (20 गेंद पर 50) ने अर्धशतक जमाए और ओमान के कमजोर गेंदबाजी आक्रमण के धुर्रे उड़ाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।

19 गेंदों में अर्धशतक, टूटा अपना ही रिकॉर्ड

दासुन शनाका शुरू से ही आक्रामक मूड में नजर आए। ओमान के गेंदबाज़ों पर उन्होंने पावर-हिटिंग का ऐसा प्रदर्शन किया कि फील्डिंग टीम के पास कोई जवाब नहीं था। उन्होंने 19 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की और 2023 में भारत के खिलाफ बनाए गए अपने 20 गेंदों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। इस पारी में शनाका ने चौकों-छक्कों की झड़ी लगा दी और रनगति को लगातार ऊंचा बनाए रखा। कप्तान के तौर पर उनकी यह पारी टीम के लिए प्रेरणादायक भी रही, क्योंकि बड़े मंच पर तेज़ शुरुआत अक्सर मैच की दिशा तय कर देती है।

जयवर्धने का ऐतिहासिक रिकॉर्ड भी ध्वस्त

शनाका की यह उपलब्धि केवल व्यक्तिगत रिकॉर्ड तक सीमित नहीं रही। उन्होंने टी20 वर्ल्ड कप में श्रीलंका की ओर से सबसे तेज अर्धशतक का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। इससे पहले यह कीर्तिमान महेला जयवर्धने के नाम था, जिन्होंने टूर्नामेंट के पहले संस्करण में केन्या के खिलाफ 21 गेंदों में पचासा जड़ा था। जयवर्धने जैसे दिग्गज का रिकॉर्ड तोड़ना अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। इससे साफ है कि शनाका बड़े मंच पर जिम्मेदारी संभालने में सक्षम हैं और टीम के लिए मैच विनर की भूमिका निभा सकते हैं।

प्लेइंग इलेवन

श्रीलंका – पथुम निसांका, कामिल मिशारा, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), पवन रथनायके, कामिंडू मेंडिस, दासुन शनाका (कप्तान), दुशान हेमंथा, दुनिथ वेल्लालेज, दुष्मंथा चमीरा, महेश थीकशाना, मथीशा पथिराना

ओमान – आमिर कलीम, जतिंदर सिंह (कप्तान), हम्माद मिर्जा, वसीम अली, मोहम्मद नदीम, जितेन रामानंदी, विनायक शुक्ला (विकेट कीपर), सुफियान महमूद, नदीम खान, शाह फैसल, जय ओडेड्रा

श्रीलंका का विशाल स्कोर और जीत

कप्तान की विस्फोटक पारी के दम पर श्रीलंका ने पहले 260/6 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो टी20 वर्ल्ड कप इतिहास के सबसे बड़े स्कोरों में शामिल हो गया। हालांकि आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार यह आंकड़ा 225/5 के रूप में दर्ज हुआ, जो टूर्नामेंट के इतिहास का चौथा सबसे बड़ा स्कोर माना जा रहा है। इससे पहले 9 फरवरी को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका ने कनाडा के खिलाफ 213/4 बनाए थे, जिसे श्रीलंका ने पीछे छोड़ दिया। इसी के साथ ही श्रीलंका ने ओमान को लक्ष्य प्राप्ति के दौरान 9 विकेट के नुकसान पर 120 रन पर रोकते हुए 105 रन से बड़ी जीत दर्ज की। शनाका और मेंडिस 19वें ओवर में लगातार गेंदों पर आउट हो गए। कामिंदु मेंडिस (नाबाद 19) ने शाह फैसल को लगातार दो छक्के लगाकर पारी का शानदार अंत किया। श्रीलंका ने आखिरी चार ओवरों में 65 रन बनाकर वर्तमान टूर्नामेंट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर खड़ा किया। ओमान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने जल्द ही तीन विकेट गंवा दिए। कप्तान जतिंदर सिंह (01) फिर से नाकाम रहे और चमीरा ने उन्हें पारी के पहले ओवर में ही पवेलियन की राह दिखा दी। दूसरे सलामी बल्लेबाज अमीर कलीम (06) भी दूसरे ओवर में तीक्षना के शिकार बने जबकि चामीरा ने पावरप्ले के अंतिम ओवर में हम्माद मिर्जा (09) का विकेट लिया।

वेस्टइंडीज के स्पिनरों ने इंग्लैंड के 6 बल्लेबाजों को किया आउट

हार के बाद बचाव में उतरे कप्तान हैरी ब्रुक

मुंबई (एजेंसी)। इंग्लैंड के बल्लेबाजों की टी20 विश्व कप के दौरान स्पिन गेंदबाजों को खेलने की कमजोरी भले ही खुलकर सामने आ गई हो लेकिन उसके कप्तान हैरी ब्रूक ने कहा कि उनके बल्लेबाज स्पिनरों को खेलने में पूरी तरह से सक्षम है। इंग्लैंड को अपने पिछले मैच में वेस्टइंडीज से 30 रन से हार का सामना करना पड़ा था। वेस्टइंडीज ने 6 विकेट पर 196 रन बनाए जिसके जवाब में इंग्लैंड की टीम 19 ओवर में 166 रन पर आउट हो गई। इंग्लैंड के छह बल्लेबाजों को स्पिन गेंदबाजों ने आउट किया।

जब ब्रूक से पूछा गया कि क्या इंग्लैंड को स्पिन गेंदबाजों के खिलाफ संघर्ष करना पड़ रहा है, तो उन्होंने कहा, मुझे ऐसा नहीं लगता। ब्रूक ने इसके बजाय टी20 विश्व कप से ठीक पहले स्पिन गेंदबाजों की प्रमुखता वाली टीम श्रीलंका पर मिली 3-0 की जीत का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा, श्रीलंका के खिलाफ उस श्रृंखला ने यह साबित कर दिया। मुझे लगा कि हमने वहां स्पिन गेंदबाजी का बहुत अच्छी तरह से सामना किया। उन्होंने (वेस्टइंडीज की) गेंदबाजी अच्छी की। उन्होंने पूरे समय खेल में अपनी पकड़ बनाए रखी। हमने एक साथ कई विकेट गंवाए, जिससे हमेशा नुकसान होता है।

कजाकिस्तान के अलीशेर नें जीता छोला ग्रैंडमास्टर्स शतरंज

चेन्नई (एजेंसी)। भारत में ज़्यादा से ज़्यादा ग्रैंडमास्टर बनाने के उद्देश्य से शुरू हुए प्रथम छोला शतरंज ग्रैंडमास्टर्स नॉर्म टूर्नामेंट का खिताब कजाकिस्तान के अलीशेर सुलेमेनोव नें अपने नाम कर लिया है । नौ राउंड के बाद अलीशेर 6 अंक बनाकर पहले स्थान पर रहे । आख़िरी राउंड में अलीशेर और औदी अमेय के बीच एक रोमांचक बाजी ड्रा रही और औदी अमेय 5.5 अंक बनाकर टाईब्रेक में तीसरे स्थान पर रहे हालांकि वह आधा अंक से ग्रैंडमास्टर नार्म से लेने से चूक गए । 5.5 अंकों पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर भारत के एथन वाज दूसरे स्थान पर रहे । क्यूबा के डेलगाड़ो रेमरीज़ 5 अंकों पर बेहतर टाईब्रेक के आधार पर चौंथे स्थान पर रहे जबकि इतने ही अंकों पर मयंक चक्रवर्ती और आरोण्यक घोष पाँचवें और छठे स्थान पर रहे । अन्य खिलाड़ियों पर फ्रांस के माहेल बॉयर 3.5 अंक बनाकर सातवे , फ्रांस के जोसफ गिरेल 3 अंक बनाकर आठवें ,अक्षय बरगोंकर3 अंक बनाकर नौवे और हर्ष सुरेश 2.5 अंक बनाकर आख़िरी स्थान पर रहे ।

रोहित शर्मा 2027 वर्ल्ड कप खेलने को तैयार

बोले-मेरा लक्ष्य देश के लिए ट्रॉफी जीतना है, बीसीसीआई ने कॉन्ट्रैक्ट में ग्रेड-ए में रखा

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने अपने वनडे भविष्य को लेकर जारी अटकलों पर विराम लगा दिया है। 2027 के वनडे वर्ल्ड कप में अपनी भागीदारी को लेकर रोहित ने बड़ा बयान दिया है। टी-20 और टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके रोहित अब केवल वनडे फॉर्मेट में ही अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं। 2027 में जब वर्ल्ड कप साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में शुरू होगा, तब रोहित 40 साल के होंगे। हालांकि, रोहित ने साफ किया है कि उनका लक्ष्य अभी भी टीम के साथ वर्ल्ड कप ट्रॉफी उठाना है और वह इसके लिए खुद को फिट रखने के लिए कड़ी मेहनत करने को तैयार हैं। एक आईसीसी इवेंट के दौरान रोहित ने कहा, मैं निश्चित रूप से वहां जाना चाहता हूं और अपने देश के लिए वर्ल्ड कप जीतना चाहता हूं। यह कुछ ऐसा है जिसे मैंने हमेशा देखा है। मैं 50 ओवर का वर्ल्ड कप देखते हुए बड़ा हुआ हूं। तब कोई टी-20 वर्ल्ड कप या आईपीएल नहीं था। यह क्रिकेट का शिखर था जो हर चार साल में होता था।

रोहित बोले-बचपन से 50 ओवर के वर्ल्ड कप का सपना देखा – रोहित शर्मा ने अपनी इच्छा जाहिर करते हुए कहा कि उस एक ट्रॉफी के लिए बहुत इंतजार और बेताबी रहती थी। उन्होंने कहा, मुझे वह ट्रॉफी चाहिए, इसलिए मैं अपनी शक्ति और क्षमता के अनुसार कड़ी मेहनत करने और उसे हासिल करने की पूरी कोशिश करूंगा। 38 साल के रोहित ने 2024 में भारत के टी-20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी-20 इंटरनेशनल से संन्यास ले लिया था। वहीं, पिछले साल मई में उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को भी अलविदा कह दिया था।

बुमराह और गिल ग्रेड-ए में बरकरार, जडेजा को भी जगह – बीसीसीआई की नई लिस्ट में वनडे और टी-20 कप्तान शुभमन गिल, सीनियर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टेस्ट ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा को ग्रेड ए में बरकरार रखा गया है। हालांकि, बोर्ड ने इस बार तीनों कैटेगरी के लिए दी जाने वाली रिटेनरशिप फीस का खुलासा नहीं किया है। रोहित और विराट के ग्रेड-बी में जाने की मुख्य वजह उनका केवल एक फॉर्मेट (वनडे) में खेलना माना जा रहा है।

पंजाबी सॉन्ग की फैन हुई रसियन फिगर स्केटर

'ना दे दिल परदेसी नूं' सॉन्ग पर बर्फ में स्केटिंग प्रैक्टिस की, बोलीं- इससे एनर्जी मिलती है

जालंधर (एजेंसी)। रूसी फिगर स्केटर और ओलिंपियन अनास्तासिया गुबानोवा इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह मशहूर पंजाबी गायक मोहम्मद सदीक के गीत 'ना दे दिल परदेसी नूं' पर बर्फ पर स्केटिंग की प्रैक्टिस करती नजर आ रही हैं। गुबानोवा का कहना है कि पंजाबी गीतों की जोशीली बीट उन्हें प्रैक्टिस के दौरान खास ऊर्जा देती है। इतना ही नहीं, वह भारतीय संस्कृति की भी प्रशंसक हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर लाल ड्रेस और माथे पर बिंदी लगाए एक वीडियो पोस्ट किया, जिसे लोगों ने खूब पसंद किया। गुबानोवा ने 6 फरवरी को शुरू हुए विंटर ओलिंपिक में हिस्सा लिया था। वह ओलिंपिक में सिल्वर मेडल जीत चुकी हैं।

32 सेकेंड की क्लिप वायरल हुई

करीब 32 सेकेंड का यह वीडियो 8 फरवरी का है। इस वीडियो में गुबानोवा बर्फ पर शानदार मूव्स और जंप्स करती नजर आती हैं। स्केटिंग जैसे यूरोपीय खेल के साथ पंजाबी लोक संगीत का यह मेल दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। गाने की हर बीट पर उनके स्टेप्स की मैचिंग उनकी महारत को दर्शाता है।

लाल ड्रेस और बिंदी में दिखीं देसी अंदाज में

विदेशी स्केटर होने के बावजूद अनास्तासिया ने भारतीय संस्कृति के प्रति सम्मान दिखाया। लाल ड्रेस और माथे पर सजी बिंदी ने उनके लुक को खास बना दिया। उनके हाव-भाव और प्रस्तुति में भी भारतीय अंदाज की झलक साफ दिखाई दी, जिसने भारतीय दर्शकों को भावनात्मक रूप से जोड़ दिया। पंजाबी संगीत अपनी थाप और ऊर्जा के लिए जाना जाता है। गुबानोवा ने जिस तरह हर बीट के साथ अपनी स्केटिंग की गति और मूवमेंट को मैच किया, वह देखने लायक था।

शाहरूख की मूवी के गाने पर परफॉर्म कर चुकीं

यह पहली बार नहीं है जब गुबानोवा ने भारतीय संगीत पर प्रस्तुति दी हो। इससे पहले भी वह शाहरुख खान की फिल्म अशोका के प्रसिद्ध गीत 'सन सनाना' पर परफॉर्म कर चुकी हैं, जिसका वीडियो भी वायरल हुआ था। 2026 के विंटर ओलिंपिक खेलों में भारत का कोई फिगर स्केटर शामिल नहीं है। हालांकि, अनास्तासिया की इस प्रस्तुति ने भारतीय दर्शकों को खास जुड़ाव का एहसास कराया।

पुनीत अग्रवाल बने थाईलैंड में भारत के नए राजदूत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पुनीत अग्रवाल को थाईलैंड में भारत के राजदूत के रूप में नियुक्त किया गया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। 1997 बैच के आईएफएस अधिकारी वर्तमान समय में मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। उम्मीद है कि वे जल्द ही यह काम संभाल लेंगे। पुनीत अग्रवाल एक अनुभवी भारतीय डिप्लोमैट और इंडियन फॉरेन सर्विस के वरिष्ठ अधिकारी हैं, जिन्हें 13 फरवरी, 2026 को थाईलैंड में भारत का अगला एम्बेसडर नियुक्त किया गया। 1997 बैच के आईएफएस अधिकारी अग्रवाल की पिछली भूमिकाओं में जिनेवा में राजदूत और डिप्टी परमानेंट रिप्रेजेंटेटिव और हांगकांग में कॉन्सुल जनरल शामिल हैं। उनके पास आईआईटी, दिल्ली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की डिग्री है। उन्होंने जुलाई 2022 से दिसंबर 2025 तक हिंद महासागर में भारत के स्ट्रेटेजिक हितों को मैनेज किया। फरवरी 2019 से जुलाई 2022 तक जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन में भारत को रिप्रेजेंट किया। इसके अलावा, उन्होंने जुलाई 2016 से जनवरी 2019 के बीच हांगकांग में भारत के कॉन्सुलेट जनरल में सेवा दी। उनके करियर में वियना (काउंसलर), थिम्पू (फर्स्ट सेक्रेटरी), और बर्लिन (सेकंड सेक्रेटरी) में डिप्लोमैटिक रोल शामिल हैं। पुनीत का डिप्लोमैटिक करियर बहुपक्षीय कूटनीति (यूएन, डब्ल्यूटीओ, और आर्थिक मुद्दे) और क्षेत्रीय रणनीति, खासकर हिंद महासागर और श्रीलंका और मालदीव जैसे दक्षिण एशियाई पड़ोसियों के संबंध में फोकस के लिए जाना जाता है। 3 अप्रैल, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बैंकॉक दौरे के दौरान भारत और थाईलैंड के बीच आपसी संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदल दिया गया। यह साझेदारी भारत की “एक्ट ईस्ट” पॉलिसी और थाईलैंड की “एक्ट वेस्ट” पॉलिसी के मेल पर बनी है, जो तीन मुख्य बातों पर फोकस करती है: कॉमर्स, कल्चर और कनेक्टिविटी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल ट्रेड लगभग 19.07 बिलियन अमेरिकी डॉलर था, जिसमें भारत को काफी व्यापार घाटे का सामना करना पड़ा (एक्सपोर्ट 4.18 बिलियन डॉलर बनाम इम्पोर्ट 14.26 बिलियन डॉलर)। भारत के मुख्य एक्सपोर्ट में मशीनरी, जेम्स और ज्वेलरी, और फार्मास्यूटिकल्स शामिल हैं, जबकि यह मुख्य रूप से थाईलैंड से वेजिटेबल ऑयल, इलेक्ट्रॉनिक्स, और प्लास्टिक रॉ मटेरियल इम्पोर्ट करता है।

बांग्लादेश चुनाव : अंतरिम सरकार के प्रमुख यूनुस सहित शीर्ष नेताओं ने मतदान किया

» ढाका, भाषा।

बांग्लादेश के अहम 13वें संसदीय चुनाव के लिए मतदान की प्रक्रिया शुरू होने के बाद देश की दो प्रमुख प्रतिद्वंद्वी पार्टियों के शीर्ष नेताओं के साथ-साथ अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को अपने वोट डाले। चुनाव में दोपहर तक 32 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने मतदान किया। बांग्लादेश में जटिल 84 सूत्री सुधार पैकेज पर जनमत संग्रह के साथ-साथ ये आम चुनाव हो रहे हैं। हसीना की अब भंग हो चुकी अवामी लीग की गैरमौजूदगी में मुख्य मुकाबला बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और उसकी पूर्व सहयोगी जमात-ए-इस्लामी के बीच है। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने शेख हसीना की अवामी लीग को पिछले साल भंग कर दिया था और पार्टी के चुनाव लड़ने पर रोक लगा दी थी।

देश भर में 300 में से 299 संसदीय सीट पर मतदान सुबह साढ़े सात बजे (स्थानीय समयानुसार) शुरू हुआ और शाम साढ़े चार बजे तक जारी रहा। मतदान खत्म होने के तुरंत बाद मतों की गिनती शुरू होने की संभावना है। बांग्लादेश निर्वाचन आयोग के वरिष्ठ सचिव अख्तर अहमद ने बृहस्पतिवार दोपहर 12 बजे तक 32,789

मतदान केंद्रों पर 32 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने मतदान किया। बीएनपी के अध्यक्ष तारिक रहमान ने ढाका के रिहायशी गुलशन इलाके में स्थित गुलशन मॉडल स्कूल एवं कॉलेज केंद्र में अपना वोट डाला। रहमान पार्टी के प्रमुख उम्मीदवार के रूप में उभरे हैं। रहमान ने मतदान केंद्र से बाहर निकलते हुए कहा, मैंने मतदान के अपने संवैधानिक अधिकार का प्रयोग किया है। बांग्लादेश की जनता एक दशक से अधिक समय से इस दिन का इंतजार कर रही थी। उन्होंने कहा कि सत्ता में चुने जाने पर, हम देश में कानून व्यवस्था में सुधार को प्राथमिकता देंगे ताकि लोग सुरक्षित महसूस करें। राजधानी ढाका में कई मतदान केंद्रों का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा कि अगर चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, तटस्थ तरीके से और बिना किसी विवाद के आयोजित किए जाते हैं तो बीएनपी परिणामों को स्वीकार करेगी। सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार उन्होंने कहा, अगर लोग अपना वोट डालते हैं तो आज से ही देश में लोकतंत्र की शुरुआत हो सकती है। चुनाव जीतने की आशा व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा, हमें पूरा भरोसा है, मुझे जीत की पूरी उम्मीद है। अगस्त 2024 में देशव्यापी व्यापक प्रदर्शनों में हसीना के सत्ता से हटने के बाद यह पहला आम चुनाव है। बीएनपी की पूर्व सहयोगी और अब मुख्य प्रतिद्वंद्वी जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख शफीकुर रहमान ने मोनीपुर उच्च विद्यालय एवं कॉलेज में अपना वोट डाला। मतदान केंद्र से बाहर निकलते हुए शफीकुर ने कहा कि अगर चुनाव निष्पक्ष तरीके से हुए तो उनकी पार्टी नतीजों को स्वीकार करेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यह चुनाव एक ऐसी सरकार के गठन का मार्ग प्रशस्त करेगा जो किसी व्यक्ति, परिवार या पार्टी की नहीं, बल्कि देश के 18 करोड़ लोगों की होगी। बीएसएस ने उनके हवाले से कहा, हमें ऐसी सरकार के बनने की उम्मीद है। हमारे लिए दुआ करें। बांग्लादेश के मुख्यधारा के मीडिया में चुनाव पूर्व हेराफेरी, मतदाताओं को रिश्वत देने, मतपत्रों के फोटोकॉपी का वितरण और प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवारों के बीच झड़पों के आरोपों की खबरें छाई हुई हैं जिसके बाद सेना और पुलिस के संयुक्त बलों ने कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया। सोशल मीडिया मंच पर मध्यरात्रि को जारी एक बयान में जमात प्रमुख ने लोगों से इन खबरों को नजरअंदाज करने का आग्रह करते हुए कहा, प्रिय देशवासियों, लैलतुल गुजोब (अफवाहों की रात) जारी है, कृपया इन पर ध्यान नहीं दें।

इमरान खान को अपने बच्चों से बात करने की अनुमति देने का भी आदेश

इमरान की एक आंख की रोशनी खो जाने की खबर सामने आने के बाद उनकी आंखों की जांच का आदेश

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की एक आंख की रोशनी खो जाने संबंधी खबर सामने आने के बाद उनकी आंखों की जांच के लिए मेडिकल बोर्ड गठित करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया। शीर्ष अदालत ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक खान को अपने बच्चों से बात करने की अनुमति देने का भी आदेश दिया। भ्रष्टाचार के मामले में दोषी ठहराए जाने के बाद खान को पांच अगस्त 2023 को लाहौर स्थित उनके आवास से गिरफ्तार कर लिया गया था, जिसके बाद से वह जेल में हैं। फिलहाल वह रावलपिंडी की अदियाला जेल में कैद हैं।

प्रधान न्यायाधीश याह्या आफरीदी और न्यायमूर्ति शाहिद बिलाल हसन की पीठ 73-वर्षीय खान की रहन-सहन की परिस्थितियों से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी। अदालत ने 16 फरवरी से पहले उनकी विस्तृत जांच कराने का आदेश दिया। पिछले महीने खान को इस्लामाबाद में एक अस्पताल ले जाया गया था, जहां उनकी एक आंख की बीमारी का इलाज किया गया। हालांकि उनकी पार्टी उनके स्वास्थ्य के बारे में चिंताएं जता रही है। न्यायमूर्ति आफरीदी ने सुनवाई के दौरान कहा, इमरान खान के स्वास्थ्य का मुद्दा बहुत महत्वपूर्ण है और इस मामले में हस्तक्षेप आवश्यक है। शीर्ष अदालत ने खान को फोन के जरिए बच्चों से बात करने की अनुमति देने का भी आदेश दिया। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पीटीआई के वकील सलमान सफदर को अदियाला जेल में खान से मिलने और उनकी रहन-सहन की परिस्थितियों के बारे में एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा था। खान से मिलने के बाद वकील ने रिपोर्ट पेश की। इसी बीच, डॉन अख़बार ने वकील की रिपोर्ट का हवाला देते हुए बताया कि उस रिपोर्ट में सफदर की खान से मुलाकात, जेल की कोठरी की स्थिति, पूर्व प्रधानमंत्री को दी जा रही सुविधाएं और व्यवस्थाएं, उनके रहने के परिसर का विवरण तथा वकील के जेल तक पहुंचने की प्रक्रिया का विस्तार से वर्णन किया गया है। अपनी रिपोर्ट में सफदर ने खान के हवाले से कहा, खान के इलाज के बावजूद, उनकी दाहिनी आंख की दृष्टि केवल 15 प्रतिशत रह गई है। अखबार के अनुसार खान ने सफदर को बताया कि करीब तीन-चार महीने पहले, यानी अक्टूबर 2025 तक, उनकी दोनों आंखों की दृष्टि सामान्य थी।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान ने चीन से अपना दूसरा स्वदेशी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह प्रक्षेपित किया

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान ने चीन के यांगजियांग सीशोर प्रक्षेपण केंद्र से अपने दूसरे स्वदेशी पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओ-2 का बृहस्पतिवार को सफल प्रक्षेपण किया। सरकारी मीडिया ने यह जानकारी दी। सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान ने बताया कि अंतरिक्ष और ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान आयोग (एसयूपीएआरसीओ) द्वारा विकसित यह उपग्रह देश की पृथ्वी अवलोकन और उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजिंग क्षमताओं को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने के लिए तैयार किया गया है।

एसयूपीएआरसीओ के अधिकारियों ने बताया कि यह उपग्रह राष्ट्रीय विकास योजना, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन, पर्यावरण निगरानी और शहरी विस्तार में सहयोग देने के लिए महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इससे सटीक और समय पर उपग्रह चित्र उपलब्ध कराकर शासन, आपदा प्रबंधन, जलवायु विश्लेषण और रणनीतिक निर्णय लेने की क्षमता को मजबूत करने के मदद मिलेगी। अंतरिक्ष एजेंसी ने बताया कि ईओ-2 के साथ पाकिस्तान ने अपने उपग्रह बेड़े का विस्तार किया है, जिससे पृथ्वी अवलोकन डेटा की बेहतर निरंतरता, कवरेज और सटीकता सुनिश्चित होती है। पाकिस्तान ने पिछले साल उत्तरी चीन के जियुकुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से अपना पहला स्वदेशी इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल (ईओ-1) उपग्रह प्रक्षेपित किया था।

इटली ने नए प्रवासी विधेयक को मंजूरी दी

» रोम।, भाषा।

इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी के नेतृत्व वाली रूढ़िवादी सरकार ने अवैध आव्रजन से निपटने के लिए एक विधेयक को मंजूरी दी है जिसके तहत इतालवी तटों तक पहुंचने की कोशिश कर रहे प्रवासी पोतों के लिए तथाकथित नौसैनिक नाकाबंदी लगाए जाने का प्रावधान भी शामिल है। इस विधेयक को बुधवार अपराह्न मंत्रिमंडल की बैठक में मंजूरी दे दी गई। अब इस पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा किए जाने और इसे मंजूरी दिए जाने की आवश्यकता है। इसी के बाद यह विधेयक प्रभावी हो सकेगा। इस नए विधेयक के तहत सीमाओं पर कड़ी निगरानी और यूरोपीय एजेंसियों के साथ सहयोग का प्रावधान भी शामिल है।

यह विधेयक प्रवासन और शरण संबंधी नए यूरोपीय संघ समझौते को मंजूरी दिए जाने के एक दिन बाद पारित किया गया है। इस विधेयक में ऐसे नए अधिकार शामिल हैं, जो इटली के क्षेत्रीय जल में प्रवेश की कोशिश करने वाले प्रवासियों के जहाजों पर इटली के अधिकारियों को कुछ शर्तों के तहत नौसैनिक नाकेबंदी लगाने में सक्षम बनाएंगे। विधेयक में कहा गया है कि यदि प्रवासी जहाज सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करता है, जैसे कि आतंकवादी कृत्यों या आतंकवादी घुसपैठ का ठोस जोखिम, तो अधिकारी उसके 30 दिनों तक इतालवी जलक्षेत्र में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा सकते हैं। इस नाकेबंदी की अवधि अधिकतम छह महीने तक बढ़ाई जा सकती है।

ईरान में प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में कम से कम 7,002 लोगों की मौतः कार्यकर्ता

» दुबई, भाषा।

ईरान में पिछले महीने हुए राष्ट्रव्यापी प्रदर्शनों के खिलाफ की गई कार्रवाई में मरने वालों की संख्या कम से कम 7,002 हो गई है तथा कई अन्य लोगों के भी मारे जाने की आशंका है। एक मानवाधिकार समूह ने यह जानकारी दी। अमेरिका स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई में कम से कम 7,002 लोगों की मौत हो गई है। ईरान की सरकार ने 21 जनवरी को मृतक संख्या जारी कर 3,117 लोगों के मारे जाने की जानकारी दी थी।

ईरान में पहले भी अशांति के दौरान सरकार ने मौतों की संख्या कम बताई है या इसकी सूचना नहीं दी है। एसोसिएटेड प्रेस इंटरनेट और अंतरराष्ट्रीय फोन कॉल सेवाएं बाधित होने के कारण मृतकों की संख्या का स्वतंत्र रूप से आकलन नहीं कर सका। मानवाधिकार समूह ने मृतक संख्या में वृद्धि की जानकारी ऐसे समय में दी है जब ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर अमेरिका के साथ बातचीत के दौर में है। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि कोई परमाणु समझौता हो पाएगा या नहीं।

पेरू अपनी संप्रभुता चीन से खो सकता है : अमेरिका की चेतावनी

लीमा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने चिंता जताई है कि चीन लातिन अमेरिकी देश पेरू के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर अपना नियंत्रण मजबूत करके उसकी संप्रभुता को नुकसान पहुंचा रहा है। अमेरिकी की यह चेतावनी पेरू की एक अदालत के उस फैसले के बाद आई है जिसमें एक स्थानीय नियामक ने चीन द्वारा बनाए गए विशाल बंदरगाह की निगरानी को सीमित कर दिया है। पेरू की राजधानी लीमा के उत्तर में चांकाय में स्थित 1.3 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत से स्थापित गहरे पानी का बंदरगाह लातिन अमेरिका में चीन की पकड़ का प्रतीक बन गया है। यह बंदरगाह अमेरिका के साथ तनाव का केंद्र बिंदु भी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के पश्चिमी गोलार्ध मामलों के ब्यूरो ने सोशल मीडिया मंच पर कहा कि वह उन नवीनतम खबरों से चिंतित है कि पेरू अपने सबसे बड़े बंदरगाहों में से एक, चांकाय पर नजर रखने में असहाय हो सकता है, जो लालची चीनी मालिकों के अधिकार क्षेत्र में है।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने कनाडा पर ट्रंप के शुल्कों को पलटने के पक्ष में मतदान किया

» वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने देश के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कनाडा पर लगाए गए शुल्क को पलटने के लिए मतदान किया जो व्हाइट हाउस के एजेंडे की एक दुर्लभ लेकिन काफी हद तक प्रतीकात्मक आलोचना है। बुधवार को इस प्रस्ताव के पक्ष में 219 और इसके खिलाफ 211 मत पड़े। ऐसा संभवतः पहली बार है जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली प्रतिनिधि सभा ने किसी महत्वपूर्ण नीति को लेकर राष्ट्रपति का विरोध किया है।

प्रस्ताव का उद्देश्य उस राष्ट्रीय आपात स्थिति को समाप्त करना है, जिसे ट्रंप ने

शुल्क लगाने के लिए घोषित किया है लेकिन इस नीति को पलटने के लिए वास्तव में ट्रंप के भी समर्थन की आवश्यकता होगी जो असंभव प्रतीत होता है। यह प्रस्ताव अब सीनेट के पास जाएगा। ट्रंप का मानना है कि शुल्क अमेरिकी व्यापार साझेदारों को बातचीत की मेज पर लाने के लिए असरदार हैं लेकिन सांसदों को अपने-अपने क्षेत्रों में व्यापार युद्धों के कारण जूझ रहे कारोबारियों एवं इनके जेब पर पडने वाले असर एवं ऊंची कीमतों से परेशान मतदाताओं की नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में डेमोक्रेटिक पार्टी के शीर्ष नेता एवं न्यूयॉर्क से सांसद ग्रेगरी मीक्स ने यह प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने कहा, आज का मतदान सरल है, बहुत सरल- क्या आप अमेरिकी परिवारों के लिए जीवनयापन की लागत घटाने के पक्ष में वोट देंगे या एक व्यक्ति-डोनाल्ड जे. ट्रंप-के प्रति वफादारी के कारण कीमतें ऊंची बनाए रखेंगे? यह मतदान राष्ट्रपति के कदमों को लेकर प्रतिनिधि सभा की बेचैनी की एक झलक देता है। सीनेट ने असंतोष जताते हुए पहले ही कनाडा और अन्य देशों पर ट्रंप के शुल्कों को खारिज करने के पक्ष में मतदान किया है लेकिन शुल्कों में कटौती के लिए दोनों सदनों को प्रस्ताव मंजूर कर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के लिए ट्रंप के पास भेजना होगा। ट्रंप ने प्रस्तावित चीन व्यापार समझौते को लेकर कनाडा से आयातित वस्तुओं पर 100 प्रतिशत शुल्क लगाने की हाल में धमकी दी थी जिससे कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के साथ उनकी तनातनी और बढ़ गई।

अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताया

» न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, भाषा।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत के साथ व्यापार समझौते को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि अमेरिका इस देश तथा अन्य उन देशों को कोयले के निर्यात में वृद्धि करेगा जिनके साथ उसने व्यापार समझौते किए हैं। ट्रंप ने चैंपियन ऑफ कोल शीर्षक वाले एक कार्यक्रम के दौरान बुधवार को कहा, और हमारे नेतृत्व में, हम एक विशाल ऊर्जा निर्यातक बन रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में ही हमने जापान, कोरिया, भारत और अन्य के साथ ऐतिहासिक व्यापार समझौते किए हैं ताकि हमारे कोयला निर्यात को बढ़ाया जा सके। उन्होंने कहा, हम अब दुनिया भर में कोयला निर्यात कर रहे हैं और हमारे कोयले की गुणवत्ता को दुनिया में सबसे बेहतरीन माना जाता है।

अमेरिका और भारत ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि वे व्यापार पर एक अंतरिम समझौते की रूपरेखा पर पहुंच गए हैं जिसके तहत नई दिल्ली सभी अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं, खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक व्यापक श्रृंखला पर शुल्क समाप्त करेगी या घटाएगी और अगले पांच साल में 500 अरब अमेरिकी डॉलर के अमेरिकी उत्पादों की

खरीद करेगी। दोनों देशों द्वारा शुक्रवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि वे पारस्परिक रूप से लाभकारी व्यापार के संबंध में एक रूपरेखा पर सहमत हो गए हैं। संयुक्त बयान के मुताबिक, भारत ने अगले पांच साल में 500 अरब डॉलर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान और विमान कलपुर्जे, कीमती धातु, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोकिंग कोयला खरीदने का इरादा जताया है। इसमें कहा गया कि यह रूपरेखा व्यापक अमेरिका-भारत द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) वार्ताओं के प्रति दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि करती है। इन वार्ताओं को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी 13, 2025 को शुरू किया था।

नेतन्याहू के साथ मुलाकात में ट्रंप ने ईरान से बातचीत जारी रखने पर दिया जोर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से मुलाकात की और ईरान के साथ बातचीत जारी रखने पर जोर दिया। अमेरिका ईरान के साथ परमाणु समझौते को आगे बढ़ाना चाहता है। ट्रंप और नेतन्याहू के बीच यह मुलाकात व्हाइट हाउस (अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, यह मुलाकात बहुत अच्छी रही और दोनों देशों के बीच शानदार रिश्ते जारी रहेंगे। उन्होंने कहा, कुछ भी निश्चित नहीं हुआ है, सिवाय इसके कि मैंने ईरान के साथ बातचीत पर यह देखने के लिए जोर दिया कि यह समझौता हो सकता है या नहीं।

अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट तेल उद्योग में सुधार का आकलन करने के लिए वेनेजुएला की यात्रा पर

काराकस। अमेरिका के ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट देश के तेल उद्योग का प्रत्यक्ष आकलन करने के लिए वेनेजुएला पहुंचे हैं। यह यात्रा वेनेजुएला के जर्जर ऊर्जा क्षेत्र को पटरी पर लाने में अमेरिकी सरकार की स्वयं निर्धारित भूमिका को और मजबूत करता है। राइट ने बुधवार को कराकस स्थित मिराफ्लोरेस राष्ट्रपति भवन में वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज से मुलाकात की। दक्षिण अमेरिकी देश की तीन दिवसीय यात्रा के दौरान उनके सरकारी अधिकारियों, तेल उद्योग के अधिकारियों और अन्य लोगों से भी मिलने की उम्मीद है। रोड्रीगेज से मुलाकात के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए राइट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप वेनेजुएला के रूपांतरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं और वहां के लोगों के लिए व्यापार, शांति, समृद्धि, रोजगार एवं अवसर लाना चाहते हैं। उन्होंने पत्रकारों के सवाल नहीं लिए। राइट की यह यात्रा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला में विदेशी कंपनियों को काम करने की अनुमति देने और देश के सबसे महत्वपूर्ण उद्योग के पुनर्निर्माण में मदद के लिए प्रतिबंधों में लगातार ढील दे रहा है। यह यात्रा पिछले महीने वेनेजुएला में पारित उस कानून के बाद हुई है, जिसके तहत देश के तेल क्षेत्र को निजी निवेश के लिए खोल दिया गया। यह कदम पिछले दो दशकों से सत्ता में रही स्वयं को समाजवादी बताने वाली सरकार की नीति से उलट है।

कंदुला सिएटल स्थित नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी परिसर में सूचना प्रणाली (इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स) में मास्टर डिग्री के लिए पढ़ाई कर रही थीं

सिएटल ने भारतीय छात्रा की मौत के मामले में परिवार से 2.9 करोड़ डॉलर में समझौता किया

» सिएटल, भाषा।

अमेरिका के सिएटल शहर ने 2023 में एक पुलिस अधिकारी की तेज रफ्तार गाड़ी की टक्कर लगने से जान गंवाने वाली भारत की 23 वर्षीय स्नातकोत्तर छात्रा जाह्नवी कंदुला के परिवार के साथ 2.9 करोड़ अमेरिकी डॉलर के समझौते पर सहमति जताई है। कंदुला को अधिकारी केविन डेव की गाड़ी ने उस समय टक्कर मारी थी, जब वह मादक पदार्थ संबंधी एक कॉल के बाद कार्रवाई के लिए 40 किलोमीटर प्रति घंटे की सीमा वाले क्षेत्र में 119 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से जा रहे थे। उनकी गाड़ी की आपातकालीन लाइट जल रही थीं और चौराहों पर सायरन का इस्तेमाल भी किया जा रहा था।

सिटी अटॉर्नी एरिका इवांस ने बुधवार को जारी बयान में कहा, जाह्नवी कंदुला की मौत हृदयविदारक है और शहर को उम्मीद है कि यह वित्तीय समझौता कंदुला परिवार को कुछ हद तक संतोष प्रदान करेगा। जाह्नवी कंदुला का जीवन महत्वपूर्ण था। यह उनके परिवार, मित्रों और हमारे समुदाय के लिए मायने रखता था। कंदुला सिएटल स्थित नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी परिसर में सूचना प्रणाली (इन्फॉर्मेशन सिस्टम्स) में मास्टर डिग्री के लिए पढ़ाई कर रही थीं। कंदुला के परिवार के वकीलों ने तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी। दोनों पक्षों ने पिछले शुक्रवार को किंग काउंटी सुपीरियर कोर्ट में समझौते की सूचना दाखिल की। स्थानीय समाचार वेबसाइट पब्लिकॉला ने सबसे पहले इस समझौते की खबर दी। कंदुला की मौत के बाद व्यापक प्रदर्शन हुए थे। लोगों का आक्रोश इस बात को लेकर

भड़क उठा जब एक अन्य अधिकारी के बॉडी कैमरा की रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसमें वह हंसते हुए कंदुला के जीवन को मामूली बताते और यह कहते सुनाई दिया कि शहर को सिर्फ एक चेक लिख देना चाहिए। भारत के राजनयिकों ने भी मामले की जांच की मांग की थी। शहर के नागरिक निगरानी प्राधिकरण ने पाया कि यूनियन नेता रहे अधिकारी डैनियल ऑडरर की टिप्पणियों से विभाग की साख को नुकसान पहुंचा और लोगों का विश्वास कमजोर हुआ। ऑडरर को बर्खास्त कर दिया गया और उन्होंने गलत तरीके से सेवा समाप्ति के खिलाफ शहर पर मुकदमा दायर किया। उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणियां इस बात की आलोचना करने के उद्देश्य से थीं कि वकील इस मौत पर संभवतः किस तरह प्रतिक्रिया देंगे। पुलिस विभाग ने वाहन चला रहे अधिकारी को भी बर्खास्त कर दिया। उन्हें लापरवाही से वाहन चलाने का दोषी ठहराया गया और 5,000 डॉलर का जुर्माना भरने का आदेश दिया गया। किंग काउंटी के अभियोजकों ने उनके खिलाफ गंभीर आपराधिक आरोप दायर करने से इनकार करते हुए कहा कि यह साबित नहीं किया जा सका कि उन्होंने जानबूझकर सुरक्षा की अनदेखी की। समझौते की लगभग दो करोड़ डॉलर की राशि शहर की बीमा पॉलिसी के तहत कवर होने की संभावना है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज़ नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, ज़ोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com